राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 भारत को विश्वकप जिताने वाले संजू सैमसन बने मार्च... | सम्पादकीय ब्रिजिंग मेडिसिन डिवीड्स | पेट्रोल 18 और डीजल 35 महंगा हो सकता है 5

वर्ष 24 ● अंक 345 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, बुधवार 15 अप्रैल 2026 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम ने कहा- 2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे

दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे में, पीएम ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

देहरादून। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, '4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।' पीएम ने कहा, 'कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं।'

इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सहारनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है। यह

दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ता है और इसके शुरू होने से दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगी।

4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33% आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है।मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है। इसे सभी दल सर्व सम्मति से आगे बढ़ाएं। इसलिए मैंने आज देश की नारी शक्ति के नाम आज सभी बहनों के लिए एक पत्र लिखा है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। पीएम ने कहा कि देश की बेटियां भारत निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। सरकार उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर मुश्किल समय में महिलाओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए प्रयास जारी हैं।

रवीन्द्र भवन में 15 अप्रैल को होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से महिलाओं को मिलेगा नया मुकामः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को नई ऊंचाइयां देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की मूल भावना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 10 से 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को शाम 4 बजे रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम होगा। इस दौरान 'महिला नेतृत्व की यात्रा' विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो महिला शक्ति के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाएगी।

इस गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव शामिल होंगे और शासन व्यवस्था में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने और नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को संबोधित भी करेंगे और सरकार के उस संकल्प को दोहराएंगे, जिसके तहत मध्यप्रदेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की आवाज और अधिक मुखर होगी। कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण की दिशा में सक्रिय प्रदेश की अग्रणी महिला नेत्रियां शामिल होंगी। समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी और श्रीमती राधा सिंह सहित प्रतिष्ठित शिक्षाविद सुश्री शोभा पेठणकर की विशेष रूप से उपस्थिति रहेगी।

चौधरी के रूप में बिहार को मिला नया मुखिया

सरकार बनाने का दावा पेश किया, आज सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण

पटना। सम्राट चौधरी बिहार के नए सीएम होंगे। उन्हें पहले बीजेपी फिर भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। सम्राट राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मिलकर उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया। कल 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। इसके साथ ही बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। विधानसभा के सेंट्रल हॉल में भाजपा की बैठक में नीतीश सम्राट के प्रस्तावक बने। नीतीश ने उन्हें माला पहनाई। विधायकों से ताली बजवाई। सम्राट ने भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने कहा, 'मैंने नीतीश जी से राजनीति सीखी है। उनके साथ मैंने काम किया है। उनके समृद्ध बिहार को और आगे ले जाना है। आज नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने एक्स पर लिखा- 'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'

छत्तीसगढ़- वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 9 की मौत

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 9 मजदूरों की मौत हो गई है। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने इसकी पुष्टि की है। 3 मजदूरों की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है। बाकी 12 घायलों की हालत गंभीर है। मजदूर 80% झुलस गए हैं। घटना डभरा थाना क्षेत्र की है। हादसे में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हैं। प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजनों ने हंगामा कर दिया। घायलों से मिलने देने की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा- पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे और घायलों के उपचार की व्यवस्था की जाए।

जनसंपर्क में कंटेंट क्रिएशन बहुत महत्वपूर्णः आयुक्त मनीष सिंह

जनसंपर्क अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। जनसंपर्क के क्षेत्र में कंटेंट क्रिएशन बहुत अहम होता है। कंटेट की हर क्षेत्र में मांग है। चाहे समाचार हों या फीचर, आलेख हों या एडवटोरियल, हर किसी के लिए अलग तरह के कंटेट की आवश्यकता होती है। भाषा की विशिष्टता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। प्रेस विज्ञप्तियों की भाषा किसी समाचार से अलग होती है। इसलिए जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को भाषा पर भी विशेष कार्य करना चाहिए।

ये बातें जनसंपर्क विभाग के आयुक्त मनीष सिंह ने कही। वे एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियो का दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के सभी जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर पर कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय प्रबंधन बेहतर ढंग से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को किस तरह बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकता है इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र

में लेखन कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को लेखन में रूचि लेकर समाचारों को लिखना चाहिए। एक छोटे से विषय पर भी बेहतर ढंग से लिखे हुए समाचार को प्रकाशनों में अच्छा कवरेज मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जनसंपर्क अधिकारी किसी भी सकारात्मक आइडिया को लेकर सक्सेस स्टोरीज लिख सकते हैं। इस तरह की स्टोरीज को शेयर करने से उनके विभागों के बेहतर कार्यों को मीडिया में अच्छी जगह मिलती है।

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग की विविध शाखाओं में एमसीयू के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन जनसंपर्क विभाग के अनिल वशिष्ठ ने किया। आज इस कार्यक्रम में विभागीय बजट, भंडार नियमों की जानकारियों पर सत्र भी आयोजित हुए। इसके अलावा पत्रकारों के लिए संचालित विविध योजनाओं की जानकारी भी अधिकारियों को दी गई। अंतिम सत्र में जनसंपर्क विभाग के पोर्टल प्रबंधन पर प्रतिभागी अधिकारियों को जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के जिला जनसंपर्क कार्यालयों से तथा निदेशालय से जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन जनसंपर्क विभाग एवं एमसीयू की प्रशिक्षण शाखा के तत्वावधान में हुआ। इस आयोजन का समन्वय डॉ. शलभ श्रीवास्तव ने किया।

डॉ. अम्बेडकर संविधान निर्माता होने के साथ नए भारत के निर्माता भी हैं : मुख्यमंत्री

डॉ. अम्बेडकर ने संविधान के रूप में हमें दिया लोकतंत्र का सबसे बड़ा ग्रंथ

नारी सशक्तिकरण के साहसी और प्रबल समर्थक थे बाबा साहेब

न्यूनतम मजदूरी, कम्पनी लॉ, महिला श्रमिकों के अधिकार हैं बाबा साहेब की देन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्मभूमि पर उनकी जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। बाबा साहेब एक ऐसे युग दृष्टा थे, जिन्होंने एक हजार साल की गुलामी की कठिनाइयों को दूर करने और समाज के अंदर समानता के भाव को विकसित करने के लिए लड़ाई लड़ी थी। बाबा साहेब के योगदान से हम सभी गौरवान्वित होते हैं। हमें उनके बनाए संविधान के अनुसार ही चलना चाहिए। इससे श्रेष्ठ संविधान और कोई नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. अम्बेडकर द्वारा महिला समानता और सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों और उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने बहनों को पिता की संपत्ति में अधिकार दिलाने, तलाक के समय मुआवजा और मातृत्व अवकाश दिलाने के लिए

सराहनीय कार्य किया। उन्होंने हमें माताओं-बहनों के लिए 'समान काम-समान वेतन' का दूरदृष्टि पूर्ण विचार दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में डॉ. अम्बेडकर की जन्मभूमि परिसर में आयोजित जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब महिला सशक्तिकरण के साहसी और प्रबल समर्थक थे। महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए बाबा साहेब ने अपनी कुर्सी तक छोड़ दी थी। न्यूनतम मजदूरी, कंपनी लॉ और महिला श्रमिकों को अधिकार हमें बाबा साहेब की ही देन है। केन्द्र सरकार संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों पर चलते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 21वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय लेने जा रही है। आने वाले दिनों में लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पूर्ण रूप से लागू करने पर चर्चा होगी, इससे माताओं-बहनों को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के कल्याण के लिए डॉ. अम्बेडकर ने जो किया, इसके लिए देश उन्हें सदैव स्मरण करता रहेगा। बाबा साहेब ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण भारत माता की आराधना करते हुए समाज को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भीम जन्मभूमि पर आज होली-दीवाली जैसा माहौल है। बाबा साहेब के जीवन से जुड़े सभी 5 पड़ावों को हमारी सरकार ने पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। जातिगत असमानता को खत्म करने के लिए अंतर्जातीय विवाह करने पर नवदम्पत्तियों को हमारी सरकार प्रोत्साहन राशि के रूप में 2 लाख रुपए दे रही है। अनुसूचित जाति-जनजाति के कल्याण के लिए सरकार ने सालाना बजट का एक तिहाई हिस्सा इन्हें समर्पित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अनिल गजभिये और डॉ. सत्यभान मेश्राम द्वारा डॉ. अम्बेडकर के जीवन पर लिखी पुस्तक 'बाबा साहेब की दृष्टि में सामाजिक न्याय' का विमोचन किया।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत और एकता को नई पहचान

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रधानमंत्री संग्रहालय में फिलैटेलिक प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज मंगलवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय में 'Ek Bharat, Shreshth BharatÑ Celebrating IndiaÓs Unity & Democracy through Postage Stamps' विषय पर आयोजित विशेष फिलैटेलिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी डाक विभाग द्वारा आयोजित की गई है, जिसमें भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोकतांत्रिक यात्रा को डाक टिकटों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

डाक टिकटों में झलकती भारत की सभ्यता और विरासत

केंद्रीय मंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि यह डाक टिकट भारत की समृद्ध विरासत, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त प्रतीक हैं। प्रदर्शनी में विशेष डाक टिकटों के माध्यम से भारत की ऐतिहासिक यात्रा और राष्ट्रीय पहचान को प्रभावी रूप से दर्शाया गया है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री संग्रहालय स्थित फिलैटेली संग्रहालय का भी भ्रमण किया और डाक सेवाओं के विकास एवं उनके योगदान की जानकारी प्राप्त की।

युवा फिलैटेलिस्ट्स से संवाद, नवाचार और रचनात्मकता को सराहा

इस अवसर पर सिंधिया ने युवा फिलैटेलिस्ट्स, डाक टिकट संग्राहकों एवं डिजाइनरों से संवाद किया। उन्होंने युवाओं के उत्साह और रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि नई पीढ़ी भारत की डाक विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ उसे आधुनिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रही है।

डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय के बीच सहयोग को बताया महत्वपूर्ण कदम

केंद्रीय मंत्री ने डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि यह सहयोग भारत की सांस्कृतिक एवं डाक विरासत को और व्यापक रूप से प्रस्तुत करने में सहायक होगा। इसके माध्यम से भविष्य में प्रदर्शनी, जनजागरूकता कार्यक्रम और नवाचार आधारित फिलैटेलिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

अम्बेडकर जयंती के मौके पर मुरैना में निकला विशाल चल समारोह, अनेक स्थानों पर हुआ स्वागत

पूर्व सांसद व पूर्व महापौर अशोक अर्गल, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, पूर्व विधायक रघुराज सिंह सहित अनेक लोगों ने डॉ. अम्बेडकर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर मंगलवार को जिलेभर में भव्य चल समारोह निकाले गए। जौरा, कैलारस, सबलगढ़, पोरसा सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। शहर के एमएस रोड पर दोपहर 3 बजे से मुख्य चल समारोह निकाला गया, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। इससे पहले सुबह 11 बजे से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। चल समारोह में एक दर्जन से अधिक बैंड, घोड़ागाड़ी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर सजी आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। रैली बैरियर चौराहे से शुरू होकर एमएस रोड, जीवाजी गंज, मुख्य बाजार और पुल तिराहे से होते हुए अपने गंतव्य पर पहुंची। रैली का शहरभर में जगह-जगह स्वागत किया गया। भाजपा, कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने स्वागत सत्कार कर सहभागिता दिखाई। भीषण गर्मी के बावजूद लोग उत्साह के साथ नाचते-गाते 'जय भीम-जय भारत' के नारे लगाते नजर आए। इस अवसर पर लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने और संविधान की भावना को बनाए रखने की शपथ ली। उधर पूर्व सांसद व पूर्व महापौर अशोक अर्गल, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, पूर्व विधायक रघुराज सिंह, पूर्व विधायक गिर्राज डण्डौतिया, जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, रविन्द्र मावई, श्री खटीक, पूर्व पार्षद संजय शर्मा सहित अनेक लोगों ने डॉ. अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल)

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर समर्थन की अपील

-हिन्दस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गुरुग्राम। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल) महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। नरेंद्र मोदी ने बताया कि इस अधिनियम के तहत संसद एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण मिलेगा, जिससे उनकी भागीदारी और निर्णय लेने की शक्ति बढ़ेगी।

रश्मि चौकसे राय, संस्थापक व निर्देशक श्री महाकाल सेवा समिति और माय कोचिंग क्लास ने इस अधिनियम को लागू करने के लिए सभी से समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है। इस कानून के लागू होने से संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण मिलेगा। यह निर्णय भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करेगा।

महत्वपूर्ण जानकारी

- 16, 17 और 18 अप्रैल 2026 को संसद का विशेष सत्र इस विषय में महत्वपूर्ण बताया गया है।
- जनता से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुँचाएं और समर्थन दें।
- समर्थन के लिए एक नंबर (9667173333) जारी किया गया है, जिस पर मिस्ड कॉल देने को कहा गया है।
- महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबरी का स्थान देना
- देश के लोकतंत्र को और मजबूत बनाना

- 'विकसित भारत' के लक्ष्य में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना

कुल मिलाकर, यह संदेश महिलाओं के अधिकार, सम्मान और राजनीतिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान है।

क्या है यह अधिनियम?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 भारत का एक ऐतिहासिक कानून है, जिसके तहतः

- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण दिया जाएगा।
- यह महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए बनाया गया है।

मुख्य प्रावधान

- कुल सीटों में से एक-तिहाई (33%) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी
- यह आरक्षण SC/ST सीटों पर भी लागू होगा
- सीटों का आरक्षण रोटेशन (घूम-घूम कर) होगा
- यह कानून सीमांकन (Delimitation) के बाद लागू होगा

नरेंद्र मोदी जी का उद्देश्य

- महिलाओं को निर्णय लेने की शक्ति देना।
- राजनीति में समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना।
- समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।

नरेंद्र मोदी जी के अनुसार

- अभी संसद में महिलाओं की संख्या लगभग 14-15% ही है।
- इस कानून से महिलाओं की आवाज नीतियों और निर्णयों में मजबूत होगी।
- यह भारत को समानता और विकास की दिशा में आगे बढ़ने में सहायता करेगी।

यह कानून कहता है:

'देश की राजनीति में अब हर 3 में से 1 सीट महिला के लिए आरक्षित होगी।

नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के उद्देश्य में

यह कानून देश में समानता, विकास और मजबूत लोकतंत्र की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सभी नागरिकों से अपील है कि वे इस अभियान का समर्थन करें और अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें। समर्थन के लिए एक नंबर (9667173333) जारी किया गया है, जिस पर मिस्ड कॉल देने को कहा गया है।

सेवा और संस्कारों से सजा जन्मदिन, बिटिया के जन्मदिन पर भोजन के पैकेट वितरित किए

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। पूर्व सरपंच श्रीमती संगीता कौशल ने अपनी नटखट बिटिया श्रृष्टि कौशल के जन्मदिन के पावन अवसर पर एक सराहनीय पहल करते हुए टीम रोटी बैंक के सहयोग से साधु-संतों एवं असहाय लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए। यह कार्य न केवल सेवा भावना का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि बच्चों को बचपन से ही अच्छे संस्कार देना कितना महत्वपूर्ण है। श्रृष्टि के इस खास दिन को समाज सेवा से जोड़कर आपने एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्रीमती संगीता कौशल भारतीय जनता पार्टी एवं भारत विकास परिषद में कोषाध्यक्ष के पद पर रहते हुए निरंतर समाज हित में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। आपके दिए हुए यही श्रेष्ठ संस्कार आपकी पुत्री को जीवन में एक संवेदनशील, जिम्मेदार और सफल व्यक्तित्व बनने की प्रेरणा देंगे। बिटिया श्रृष्टि को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं – ईश्वर उसे स्वस्थ, खुशहाल और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करें।

शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा बाबा साहब का जीवन

बिस्मिल फाउंडेशन द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर बिस्मिल फाउंडेशन मुरैना द्वारा एक गरिमामयी का आयोजन किया गया। बागचीनी में अंबेडकर स्मारक पर आयोजित हुए कार्यक्रम का उद्देश्य बाबा साहब के विचारों को समाज में व्यापक रूप से प्रसारित करना तथा न्याय, शिक्षा, समानता एवं सामाजिक एकता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी बीएस इंदौलिया, मुख्य वक्ता के रूप में बिस्मिल फाउंडेशन के अध्यक्ष वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. नरेश सिंह सिकरवार, अध्यक्षता ग्राम पंचायत बागचीनी के सरपंच प्रेम सिंह सिकरवार ने की। इस अवसर पर शिक्षाविद डॉ. सिकरवार कहा कि बाबा साहब का सम्पूर्ण जीवन शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जिसके द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। जब तक शिक्षा में समानता नहीं आएगी, तब तक वास्तविक सामाजिक एकता संभव नहीं है।

बाबा साहब ने वंचित और पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा के द्वार खोलने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और अधिकारों की प्राप्ति का आधार भी है।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि डीईओ बीएस इंदौलिया ने अपने उद्बोधन में आंबेडकर के शिक्षा दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं के अधिकारों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने न केवल महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया, बल्कि उन्हें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रयास किए। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को आत्मसात करते हुए बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने तथा शिक्षा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। बिस्मिल फाउंडेशन के जगमोहन सेमिल ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विमलेश यादव , पूर्व प्रधानाध्यापक मुंशी सिंह सेमिल, रघुराज परमार , सतंजय मिश्रा, जगदीश शर्मा, डॉ. हरेंद्र तोमर, जगमोहन सेमिल, भारत सेमिल, सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सर्व समाज ने मनाई डॉ. अम्बेडकर की जयंती

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव बाबा साहब अंबेडकर की जयंती को नगर में सर्व समाज द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर 14 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर बस स्टैंड पर जिले के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर की मौजूदगी में जौरा-कैलारस विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी रविंद्र सिंह सिकरौदा, राधामोहन शर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर शिवमंगल सिंह, रविंद्र सिंह, राधामोहन शर्मा का कहना था कि बाबा साहब ने सर्व समाज के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। विशेष कर कमजोर वर्गों के उत्थान के कार्य हैं। समाज में किए गए अपने सभी कार्यों की वजह से ही बाबा साहब को आज सभी लोग याद करते हैं। उनका सम्मान भी करते हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि बाबा साहब के कार्यों को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचा जाए। इसी अवसर पर युवा समाजसेवी कार्यकर्ता जोंटी रविंद्र सिंह सिकरवार ने भी अपने युवा साथियों के साथ बाबा साहब अंबेडकर जयंती मनाते हुए जगह-जगह जलपान का भी वितरण किया गया।

14 अप्रैल को ही नगर में बाबा साहब के अनुयायियों द्वारा धूमधाम के साथ अंबेडकर जयंती मनाई गई। नगर के प्रमुख मार्गों से चल समारोह भी निकल गया, जिसका समापन भीमराव अंबेडकर बस स्टैंड पर हुआ। नगर एवं ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. मुरारी लाल अमर एवं रामहेत त्यागी, किसान कांग्रेस के दीपक यादव, पवन कटारे, प्रमोद शर्मा, दिनेश शर्मा, संतोष शर्मा, जगदीश शुक्ला, सुरेश शर्मा एवं अन्ना रोहित शर्मा, मदन मोहन भारद्वाज, अरुण कुलश्रेष्ठ, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. अरुण शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा अध्यक्ष, कमलेश कुमार दुबे सहित अन्य समाजसेवियों द्वारा भी डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई।

अंबेडकर के विचार समाज को न्याय की ओर प्रेरित करते हैं: मनोज सिंह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार आज भी समाज को न्याय और अधिकारों की ओर प्रेरित करते हैं। ऐसा कहना था जौरा-कैलारस विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी मनोज सिंह सिकरवार का। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मनोज सिंह का यह भी कहना था कि बाबा साहब के आदर्श पर चलना ही उन्हें सही मायने में श्रद्धांजलि देना है। बाबा साहब ने देशवासियों को संविधान का तोहफा दिया।

उन्होंने सर्व समाज के लिए विशेष कार्य भी किया। कमजोर वर्ग के लोगों लोगों का उत्थान भी किया। बाबा साहब के सभी ऐतिहासिक कार्यों से ही पूरा देश उन्हें आज याद करता है, उनका सम्मान करता है। मनोज सिंह ने सभी साथियों से बाबा साहब के कार्यों को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने की बात भी कही। इस अवसर पर काफी संख्या में समाजसेवी भी उपस्थित रहे।

पोरसा में श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई डॉ. अम्बेडकर की जयंती

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय पोरसा में मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर एवं शहर ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द हिण्डोलिया ने किया। दोनों नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान ने देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक आधार प्रदान किया है और उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने का काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर उमाशंकर सिंह तोमर, वीरेंद्र सिंह तोमर, राम किशोर तिवारी, रामदत्त शर्मा, हीरा सिंह तोमर, महेश शिवहरे, कुलदीप तोमर, सोनू जाटव, दिनेश सिंह तोमर, जय प्रताप सिंह, अरबाज पठान और पूरन राठौर सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने और समाज में समानता, न्याय एवं भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया।

अहिंसक समाज रचना की संभावना, चंबल घाटी में और चंबल घाटी से आगे

54वां बागी समर्पण दिवस बागी सम्मान समारोह आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। गत दिवस 14 अप्रैल को बागी समर्पण दिवस पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम के तत्वावधान में गांधी आश्रम के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. एस.एन. सुब्बाराव भाई जी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलित किए गए तथा उसके पश्चात पधारे हुए आत्मसमर्पित बागियों का सम्मान शॉल, श्रीफल भेंट आदि देकर अतिथियों ने पीव्ही राजगोपाल राजू भाई, नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी, कैलाश मित्तल, महेश दत्त मिश्रा, राकेश भाई आदि ने सम्मानित किया तथा उनके और उनके परिजनों के विचार व अनुभवों का भी श्रवण किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमेश भाई ने किया। मधु भाई ने बीच में एक सामूहिक गीत गवाया' अहिंसक समाज रचना की संभावना, चंबल घाटी में और चंबल घाटी से आगे ' जैसे विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम व आयोजन की भूमिका विख्यात गांधीवादी महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा के अध्यक्ष एवं एकता परिषद के संस्थापक संरक्षक पी.व्ही.राजगोपाल ने अपने सारगर्वित उद्बोधन में कहा कि 14 अप्रैल को मनाया जाने वाला समर्पण दिवस हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है, जब चंबल के बागियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर आत्मसमर्पण किया। यह घटना केवल कानून व्यवस्था की सफलता नहीं, बल्कि मानव हृदय परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है, जिसने अहिंसा और करुणा की शक्ति को पूरे देश के सामने स्थापित किया।

उन्होंने बताया कि इतिहास गवाह है कि जहाँ अंधेरा सबसे घना होता है, वहीं से उजाले की किरण फूटती है। सन् 1972 में चंबल की घाटी में एक ऐसी क्रांतिकारी घटना घटी, जिसने न केवल भारत को बल्कि पूरी मानवता को एक नई दिशा दी।

14 अप्रैल : बागी आत्म समर्पण का 54वां वर्ष पर आयोजित इस व्यापक दूरदर्शितापूर्ण महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय सेमिनार में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ताओं आमंत्रित वक्ताओं ने देश दुनिया में बढ़ती हुई अशांति व विभिन्न प्रकार की हिंसा पर गहरी चिंता जताई तथा इस तरह की वैश्विक हिंसा को रोकने के लिए महात्मा गांधी के अहिंसा के सिध्दांतों व अहिंसात्मक आंदोलंनो उनके समरसता समानता विचारों व समरसता के भावों को अपनाने उसके प्रचार-प्रसार को गतिशील बनाने पर जाने पर जोर दिया गया। आमंत्रित वक्तागण में अनुराधा शंकर (पूर्व डीजीपी म.प्र.), राकेश दीवान, सर्वोदय प्रेस सर्विस भोपाल, ख्याति प्राप्त जर्नलिस्ट भरत डोगरा दिल्ली से प्रोफेसर मनोज झा भागलपुर विहार एकता परिषद की अंतर्राष्ट्रीय समाज सेविका जिल कार हैरिस और दूसरे चरण में गांधीवादी स्व.एस.एन.सुब्बाराव जी स्मृति व्याख्यान वक्ता के रूप में महान् समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने महात्मा गांधी और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के रिश्तों राष्ट्रहित से जुड़ी उनके विचारधारा को स्पष्ट करते हुए उपस्थित लोगों की शंका कुशंकाओ का समाधान करते हुए कहा कि दोनों महान राष्ट्र नेताओं ने राष्ट्र निर्माण में समर्पित भाव से काम किया रघु ठाकुर ने कहा कि देश की एकता अखंडता और देश को मजबूत बनाने में महान् योगदान दिया है।

लेखक व पत्रकार भारत डोगरा ने कहा के आज विश्व बहुत खतरनाक युद्ध और शस्त्रों की होड़ के बोझ तले कराह रहा है ईरान या मध्य पूर्व का युद्ध यूक्रेन व रूस का युद्ध ऐसे युद्ध हैं जो अपने आप में बहुत विनाशक है साथी एक डरावनी व्यापक युद्ध की ओर बढ़ सकते हैं इसके साथ बहुत खतरनाक वी महाविनाशक हथियारों के भंडार बढ़ते जा रहे हैं इस समय विश्व में 13000 परमाणु बम है जिनमें से मात्र 10% का कभी भी प्रयोग हुआ तो धरती से जीवन लगभग समाप्त हो जाएगा इस स्थिति में अमन शांति के आंदोलन दुनिया भर में मजबूत होने चाहिए इसने महात्मा गांधी के संदेश का विशेष महत्व है जिस तरह चंबल घाटी में बाकियों ने बंदूक की राह छोड़ी वह हृदय परिवर्तन हुआ वह अहिंसा के सार्थक बदलाव का बहुत प्रेरणादायक उद्धरण है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इतने युद्ध कभी नहीं हुए जितने आज हो रहे हैं धरती युद्धों के प्रकोप से बुरी तरह त्रस्त है कुछ बड़े विशेषज्ञ कह रहे हैं की इन नये युद्धों से अमन शांति के आंदोलन या पीस मूवमेंट की जरूरत है जिस तरह का अहिंसक बदलाव चंबल घाटी में बगिया में समर्पण के समय देखा गया इसे ध्यान में रखते हुए यह क्षेत्र शांति आंदोलन का एक बड़ा केंद्र बन सकता है वह बनना चाहिए उन्होंने की पी व्ही राजू भाई के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर संगोष्ठी में हिंदी भाषा में अपने ओजस्वी उद्बोधन देते हुए एकता परिषद की अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता जिल कार हैरिस ने कहा कि गांधीजी अहिंसात्मक तरीके से भाई जी राजा जी के अभिनव प्रयोग से लोकनायक जयप्रकाश नारायण और विनोबा भावे की उपस्थिति में चंबल घाटी में बागियों ने प्रभावित होकर अपने हृदय परिवर्तन का समूचे विश्व को एक अनौखी मिशाल पेश करते हुए साबित कर दिया कि संवाद व अहिंसा ही शांति स्थापित करने का बेहतर हथियार है बंदूकें और बमों की ताकत पर शाति और अमन चैन स्थापित नहीं किया जा सकता है।इस मौके पर जिल कार हैरिस ने महिलाओं की ओर से सारे देश में शांति और अमन-चैन कायम करने हेतु एक अहिंसक आंदोलन बूमेंस काल फार ग्लोबल पीस प्रोग्राम भी लांच किया उन्होंने इस माध्यम से नारा दिया पीस नोट वार उन्होंने अहिंसा में विश्वास व्यक्त करते हुए क्रांतिकारी बदलाव का आव्हान करते हुए ओजस्वी वाणी में उद्बोधन दिया कार्यक्रम सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। उन्होंने नारे नारे लगवाए कि युद्ध नहीं शांति चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि यह शांति आंदोलन 17 अप्रैल को राजघाट से होते हुए देश कू विभिन्न प्रदेशों व शहरों में शुरू होगा।

इस अवसर पर सर्वोदय प्रेस सर्विस के वरिष्ठ पत्रकार राकेश दीवान ने कहा कि अहिंसक तरीके से हिंसा खतम की जा सकती है उन्होंने कहा गांधी जी बार बार संयम की बात करते थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को आगाह किया कि हमें सतर्क रहना चाहिए कि हम बाजार खरीदने जा रहे हैं या हमें बाजार खरीद रहा है ?। हमें शेखचिल्ली की तरह चूमने से बचना चाहिए। अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए गंभीरता से सोचना चाहिए।

पूर्व डीजीपी अनुराधा शंकर ने कहा कि राजा जी कहते हैं कि हिंसा के पास पैसा है हिंसा से हर तरह की मान्यताएं खतम हो रही है उन्होंने चेताया कि हमें इस बात से बेजार होने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस बात का प्रामाणिक इतिहास हमारा स्वतंत्रता संग्राम है।

उन्होंने कहा कि हमें जागरूक बनने की जरूरत है हमें हर तरह के नशे की आदतें को छोड़ना होगा हमारी सोच ने ही हमें गुलाम बनाया था धर्म जाति लिंग भेद के बिभेद छोड़कर समरसता के भावों के साथ भाईचारा कायम करना चाहिए। महिलाओं के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए तभी हम आगे बढ़ सकते हैंहमारी सभ्यता का ही हमारी भावी पीढ़ियां अनुकरण करेंगी। महिला मां है बहन हैं भारत माता है आजादी के एक आंदोलन में पटना विहार में पुरुषों की अपेक्षा भारी संख्या में गिरफ्तार हुई थी। हमें नैतिक मूल्यों को सहेजने व स्थापित करने की जरूरत है। कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार जयंत सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए रघु ठाकुर का परिचय शानदार शैली में कराया अंत में आभार प्रदर्शन दिलीप जैन ने किया इस अवसर पर पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्रा, जगदीश शर्मा शुक्ला राष्ट्रीय युवा योजना व गांधी सेवा आश्रम के न्यासी सुकुमारन,मधु भाई, प्रफुल्ल कुमार श्रीवास्तव, उदयभान सिंह परिहार, राकेश दीक्षित, अनीस भाई दीपक अग्रवाल, अनिल गुप्ता, कैलाश मित्तल नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी पार्षदगण सहित तमाम समाजसेवी बुद्धिजीवियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

श्री नागाजी मंदिर में लगा नीम का वृक्ष से असाध्य से असाध्य बीमारियां होती है ठीक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में स्थित पोरसा शहर न केवल अपने देसी घी और सरसों के तेल के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां की धार्मिक मान्यताएं भी इसे विशेष पहचान दिलाती हैं। इस नगर के आराध्य माने जाने वाले श्री नागाजी महाराज के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा आज भी देखने को मिलती है,

मंदिर के महामंडलेश्वर महंत राम लखन दास महाराज एवं प्रभारी महंत शिवचरण दास महाराज तथा पुजारी संजू दास महाराज ने संयुक्त रूप से हमारे प्रतिनिधि को बताया कि नागाजी महाराज की दिव्यता और इतिहास स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, लगभग संवत 1450 के आसपास श्री नागाजी महाराज ने एक नीम की दातुन को भूमि में गाड़ दिया था, जो समय के साथ एक विशाल वृक्ष के रूप में विकसित हुआ। यह वृक्ष आज नागाजी मंदिर परिसर में स्थित है और भक्तों के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है।

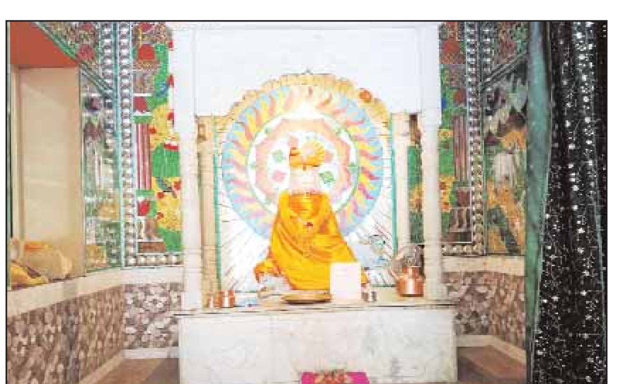

चमत्कारी नीम वृक्ष की मान्यता

भक्तों का विश्वास है कि इस नीम के वृक्ष की पत्तियों में अद्भुत औषधीय और चमत्कारी गुण हैं। कहा जाता है कि इसके सेवन से असाध्य बीमारियां भी ठीक हो जाती हैं। इस आस्था के प्रमाण के रूप में फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, शमशाबाद, कानपुर, झांसी और टीकमगढ़ सहित कई स्थानों से आए श्रद्धालु अपने अनुभव साझा करते हैं कि उन्हें इस पवित्र वृक्ष की पत्तियों से लाभ प्राप्त हुआ।

पोरसा की स्थापना और आशीर्वाद

यह भी माना जाता है कि श्री नागाजी महाराज ने ही पोरसा नगर की स्थापना की थी। उनके आशीर्वाद से यह शहर समृद्ध हुआ और आज भी यहां के लोग हर कार्य में उनकी कृपा को महत्वपूर्ण मानते हैं।

आस्था का केंद्र बना नागाजी मंदिर

आज नागाजी मंदिर परिसर दूर-दूर से आने वाले भक्तों के लिए एक प्रमुख धार्मिक स्थल बन चुका है। यहां लोग न केवल दर्शन करने आते हैं, बल्कि नीम के पत्तों को प्रसाद स्वरूप ग्रहण कर अपने जीवन में स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

डॉ. अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलकर विकास में भागीदार बनें : सांसद कुशवाह

– मेधावी विद्यार्थियों औरयोजनाओं के हितग्राहियों का हुआ सम्मान

– बाबा साहब डॉ. अंबेडकर की जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर । भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर देश को और सशक्त बनाने का संकल्प भी लिया गया। अंत में क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह ने सभी को सामाजिक समरसता की शपथ दिलाई।

नगर निगम के बाल भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें संविधान के माध्यम से अनेक

अधिकार और कर्तव्य बताए हैं। उनके बताए गए मार्ग पर चलकर ही हम अपने समाज और देश को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ा सकते हैं। डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा पर सबसे अधिक जोर दिया है। शिक्षित व्यक्ति ही अपने परिवार, समाज और देश के विकास में भागीदार बन सकता है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि डॉ. अंबेडकर जयंती महिला समानता और सशक्तिकरण के लिये किए गए प्रयासों और उनके योगदान को स्मरण करने का दिन है। डॉ. अंबेडकर ने समाज में सदभाव और भाईचारे का संदेश दिया है। हम सबको आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद करने का भाव हमेशा रखना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि हम सबको डॉ. अंबेडकर द्वारा बताए मार्ग पर चलकर प्रदेश और देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह ने भी अपने विचार रखे। प्रारंभ में अतिथियों ने भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला स्तरीय समारोह में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत, निगम आयुक्त संघ प्रिय, अपर आयुक्त प्रतीक राव, एडीएम सीबी प्रसाद, अपर आयुक्त नगर निगम मुनीष सिकरवार आदि उपस्थित थे।

विधायक डा. सिकरवार के समता भोज में श्रृद्धालुओं की उमडी भीड़

ग्वालियर। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बाबा साहब की फूलबाग परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। प्रतिमा स्थल पर विधायक डा. सिकरवार द्वारा समता सहभोज का आयोजन किया गया, जो प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चलता रहा। इस दौरान विधायक डॉ. सिकरवार एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रसादी वितरण किया।

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार द्वारा अम्बेडकर पार्क फूलबाग में रखे गए समता सहभोज में प्रसादी गृहण करने वालों का सुबह 9 बजे से देर रात तक तांता लगा रहा। विधायक डॉ. सिकरवार एवं उनके पुत्र आदित्य सिंह सिकरवार 'गोंची' ने अपनी टीम के साथ व्यवस्था संभालकर प्रसादी वितरण करते रहे। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, महाराज सिंह पटेल, चेम्बर ऑफकॉमर्स उपाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश तोमर, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, जे.एच. जाफरी, पूर्व पार्षद रामअवतार जाटव, एम.आई.सदस्य एवं पार्षद अवधेश कौरव, पार्षद केदार बरहादिया, पार्षद सुरेन्द्र साहू, पार्षद प्रमोद खरे, पार्षद अंकित कठठ्ल, हेमंत शर्मा (कवि), आई.टी. सेल जिलाध्यक्ष आदित्य सेंगर समेत कई नेताओं ने प्रसादी वितरण कर सेवा की।

बाबा साहब को जयंती पर कांग्रेस ने नमन किया

– चल समारोह का भव्य स्वागत कर फलों का वितरण किया

ग्वालियर। संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर फूलबाग स्थित अंबेडकर पार्क में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कांग्रेसियों ने माल्यार्पण कर नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तदपश्चात बाबा साहब की जयंती के अवसर पर निकलने वाले चल समारोह का द्वारकाधीश मंदिर, थाटीपुर पर हार फूलमाला से स्वागत कर फलों का वितरण किया।

बाबा साहब अंबेडकर को नमन करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने भारत के लोकतंत्र में जनमत को सर्वोपरि रखा इसलिये भारत का संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान साबित हुआ और संसार में भारत जैसा लोकतंत्र किसी ओर देश में नहीं हुआ, भारत में जनमत को सर्वाधिकार प्रदान किये गये। आज देश में बाबा साहब अंबेडकर जी को अनदेखा किया जा रहा है, कुछ साम्प्रदायिक शक्तियां देश के संविधान को समाप्त करना चाहती है, देश में चारो तरफ भय और नफरत का वातावरण बनाया जा रहा है, जिसे बाबा साहब के रास्ते पर चलकर ही समाप्त किया जा सकता है।

बाबा साहब को नमन करने वालों में पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, दशरथ सिंह गुर्जर, संजय सिंह राठौर, राहुल शर्मा, महाराज सिंह पटेल, प्रेम सिंह यादव, श्रीमती सीमा समाधिया, उदल सिंह, जेएच जाफरी, चतुर्भुज धनोलिया, हेवरन सिंह कंषाना, अवधेश कौरव, मेहबूब भाई चेन वाले, श्रीमती मीनू परिहार, हरेन्द्र सिंह गुर्जर, अशोक सिंह सिकरवार, राकेश अग्रवाल, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव आदि शामिल हैं।

अम्बेडकर वार्ड में पार्षद ने किया बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण

ग्वालियर। गोल पहाडिया क्षेत्र की जनता की कई वर्ष पुरानी माँग पर नगर पालिक निगम के अम्बेडकर वार्ड क्रमांक 38 में क्षेत्रीय पार्षद भगवान सिंह कुशवाह एवं पूर्व जिला न्यायाधीश आरपी कतरौलिया के द्वारा डा अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर अमर सिंह मैकले, केशव मंसूरिया, बालमुकुंद बौद्ध, रामकिशन बौद्ध, लक्ष्मी नारायण जाटव, रामकुमार निधार, राजेश पक्षबार, योगेश पक्षबार, राजेश बाबू, संजीव जयंत, नंदकिशोर सुनहरे, बंटी जाटव, धन्नालाल बौद्ध, हरीश पक्षबार, हरीसिंह पुरी, शशिकांत जाटव, ज्वाला प्रसाद गर्ग, अनीश बौद्ध, संतोष मण्डेलिया, ओपी केन, नत्थाराम राजोरिया, हाकिम सिंह चौकोटिया, मानसिंह बौद्ध, चन्दन प्रकाश, दिलीप पक्षवार, हरगोविंद जाटव, विशुन कुमार, एमडी चंदेल, उत्तम ठेकेदार, नरेश कुमार, नेतराम सिमॉल, देवीलाल जाटव, नारायण इमले, दिनेश मौर्य,, गोविन्द कुमार, धर्मेन्द्र जाटव, सुमन मुखरैया आदि उपस्थित थे।

बाबा साहब ने छुआछूत और जातीय भेदभाव के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया: डॉ. सिकरवार

कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बाबा साहब की फूलबाग परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करते हुये कहा कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान का निर्माण कर देश को एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने छुआछूत और जातीय भेदभाव के खिलाफआजीवन संघर्ष किया, शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया और समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का कार्य किया। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि बाबा साहब भारतीय संविधान के शिल्पकार हैं, जिन्होंने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांत पर देश का कानून बनाया।

उन्होंने दलितों, महिलाओं और श्रमिकों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। बाबा साहेब का योगदान सिर्फ संविधान तक सीमित नहीं था। वे एक महान अर्थशास्त्री, विधिवेत्ता और सच्चे समाज सुधारक थे। उन्होंने कहा कि आज जो यहां कार्यक्रम मनाया जा रहा है, वह बाबा साहब की जयंती ही नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की भावना का उत्सव है। बाबा साहब ने समता मूलक समाज को आगे बढ़ाने का कार्य किया। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर कांग्रेस ने हमेशा दलित, शोषित, पीड़ित वर्ग के उत्थान के लिए अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया।

अंबेडकर जयंती पर जेल से 9 बंदी रिहा

ग्वालियर। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर ग्वालियर सेंट्रल जेल से आजीवन कारावास की सजा काट रहे नौ बंदियों को रिहा किया गया। इनमें एक महिला बंदी भी शामिल है। अच्छे आचरण और सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में भागीदारी के आधार पर शासन ने उनकी शेष सजा माफकी।

रिहा किए गए सभी बंदी हत्या जैसे गंभीर मामलों में दोषी थे। वे 14 साल से ज्यादा समय से जेल में सजा काट रहे थे और एक ही प्रकरण में दोषी पाए गए थे। यहां बता दे कि जेल प्रशासन ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर रिहा होने वाले बंदियों के नाम शासन को भेजे थे। प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने के बाद उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी की गई। जेल से बाहर आते ही बंदियों ने परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्ष भावुक नजर आए और लंबे समय बाद मिलने पर एक-दूसरे को गले लगाया। रिहाई से पहले जेल प्रशासन ने सभी बंदियों को शॉल और श्रीफल भेंट किए। जेल अधीक्षक विदित सरवईया ने बताया कि बंदियों का

आचरण अच्छा रहा। इसी आधार पर शासन ने उनकी शेष सजा माफकरने का निर्णय लिया। रिहा किए गए बंदियों में सुरेश उर्फसज्जन, पंचम जाटव, आशीष शर्मा, जमुना अहिरवार, छोटे और छोटया माली, अजय तोमर, मोहर सिंह, महेंद्र सिंह और लीलाबाई शामिल हैं। पहले गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर ही बंदियों की सजा माफकी जाती थी। पिछले दो सालों से अंबेडकर और गांधी जयंती पर भी यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

ई–मालखाना एवं पहरा प्लेटफार्म डिजिटल पुलिसिंग की तरफअच्छा कदम : आईजी

– थाना पड़ाव में ग्वालियर रेंज का पहला ई-मालखाना एवं पहरा प्लेटफार्म का हुआ शुभारंभ

ग्वालियर। पुलिसिंग के बदलते स्वरूप में तकनीक का समावेश अत्यंत आवश्यक हो गया है। ई-मालखाना और पहरा प्लेटफार्म ग्वालियर पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे साक्ष्यों के सुरक्षित रखरखाव एवं मॉनीटरिंग सिस्टम को आधुनिक बनाया जा सकेगा। ग्वालियर पुलिस का डिजिटल पुलिसिंग की तरफएक अच्छा कदम है इस तकनीक को ग्वालियर रेंज के अन्य बड़े जिलों के थानों में भी शुरू किया जायेगा। यह बात मंगलवार को पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना ने ÷ई-मालखाना÷ एवं ÷पहरा प्लेटफार्म÷ का शुभारंभ करते हुये कहीं। कार्यक्रम में एसएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि ग्वालियर पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि पुलिसिंग को अधिक स्मार्ट, पारदर्शी और जवाबदेह कैसे बनाया जाए। ई-मालखाना और पहरा प्लेटफार्म इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्वालियर में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिये मंगलवार को ग्वालियर रेंज का पहला ÷ई-मालखाना÷ एवं ÷पहरा प्लेटफार्म÷ थाना पड़ाव में शुरू किया गया। जिसका शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज अरविंद कुमार सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुये आईजी श्री सक्सेना ने कहा कि पुलिसिंग के बदलते स्वरूप में तकनीक का समावेश अत्यंत आवश्यक हो गया है। ई-मालखाना और पहरा प्लेटफार्म ग्वालियर पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि थाना पड़ाव के इस ई-मालखाने में केस की सभी फाइलों का डिजिटलाइजेशन किया गया है। इसके लिए वेब बेस्ड प्रोग्राम पर सारा डाटाबेस उपलब्ध है और एक क्लिक पर सारी जानकारी उपलब्ध होगी तथा मालखाने को सीसीटीवी कैमरे से लैस किया गया है, जिससे इस पर निगरानी रखी जा सकेंगी। गौरतलब है कि '÷ई-मालखाना÷' एक डिजिटल सिस्टम है, जिसमें अपराध से संबंधित जब्त सामान, साक्ष्य एवं केस फाइलों का पूर्ण रिकॉर्ड ऑनलाइन एवं व्यवस्थित रूप से सुरक्षित रखा जाएगा। मालखाना में रखी प्रत्येक वस्तु को क्यूआर कोड़ से चिहिन्त किया जायेगा। इससे मालखाने की पारदर्शिता बढ़ेगी, रिकॉर्ड का त्वरित एक्सेस संभव होगा तथा माल के रख-रखाव एवं निगरानी में सुधार आएगा। साथ ही, न्यायालयीन कार्यवाही में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी सरल एवं तेज होगी। कार्यक्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज अमित सांघी, अति0 पुलिस अधीक्षक श्रीमती अनु बेनीवाल, श्रीमती सुमन गुर्जर, सीएसपी इंदरगंज रोबिन जैन, थाना प्रभारी पड़ाव शैलेन्द्र भार्गव सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने वृद्ध को मारी टक्कर, मौत

ग्वालियर। कोतवाली थाना क्षेत्र में गुब्बारा फाटक के पास सोमवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने वृद्ध को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल वृद्ध को अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार गुब्बारा फाटक के पास सोमवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने 62 वर्षीय वृद्ध सुरेंद्र सिंह राठौर को टक्कर मार दी। बताया जाता है कि सुरेंद्र सिंह गुब्बारा फाटक से जिंसी नाला रोड पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर के बाद वृद्ध ऑटो में फंस गये और कुछ दूरी तक घिसटते रहे, लेकिन ड्राइवर वाहन लेकर भाग गया। हादसे में वृद्ध के सिर में गंभीर चोट आई थी। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा ने बताया कि घटनास्थल के सामने स्थित एक दुकान के सीसीटीवी कैमरे में पूरा हादसा कैद हुआ है। फुटेज में वाहन टक्कर के बाद वृद्धको घसीटते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस को कुछ सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जो दूरी के कारण स्पष्ट नहीं हैं। अन्य कैमरों की जांच कर पुलिस आरोपी वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

– परिवार में एक साल में तीसरे बेटे की मौत, मातम पसरा

– 20 दिन पहले भाई ने भी लगाई थी फांसी

ग्वालियर। एक साल में तीन बेटों की मौत ने माता-पिता को तोडकर रख दिया है। एक बेटे की तेरहवी होने के कुछ दिन बाद ही दूसरे बेटे ने खुदकुशी कर ली। पूरा परिवार बेटों की मौत के दुख से जूझ रहा है। एक बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली थी और दो ने बीस दिन में फांसी लगाकर जान दी है। लगातार बेटों की हो रही मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना पड़ाव थाना क्षेत्र के न्यू साकेत नगर की है। युवक द्वारा फांसी लगाने का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पड़ाव थाना क्षेत्र के न्यू साकेत नगर निवासी 27 वर्षीय नीरज धानुक पुत्र मोहन धानुक प्राइवेट जॉब करता है। बीती रात वह बाजार से आया और अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद नीरज की पत्नी रूपाली कमरे में पहुंची तो नीरज फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। अंदर का नजारा देखते ही रूपाली की चीख निकल गई। उसकी आवाज सुनकर मोहन, मोहन की पत्नी अनीता और बेटी प्रियंका के साथ कमरे में पहुंचा और उसकी नब्ज टटोली तो सांसें चल रही थीं। तुरंत ही नीरज को फंदे से उतारकर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम हाउस पहुंचा दिया। फिलहाल पता नहीं चला है कि किन कारणों के चलते उसने फांसी लगाकर जान दी है।

नीरज की मौत से पूरा परिवार काफी सदमें में है, क्योंकि एक साल में परिवार में तीसरे बेटे की मौत हुई है। एक साल पहले नीरज के बड़े भाई धर्मेन्द्र की लाश जनकगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मीगंज इलाके में मिली थी। धर्मेन्द्र मोबाइल पर बात करता हुआ निकला था और उसके बाद वापस नहीं आया था। जिसकी गुमशुदगी पड़ाव थाने में दर्ज कराई थीं। इसके बाद उसकी लाश मिली थी। अभी तक परिवार को पता नहीं चला है कि वह किससे मिलने गया था और उसकी मौत कैसे हुई है। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। परिवार उसकी मौत का गम भूल भी नहीं पाया कि बीस दिन पहले धर्मेन्द्र के छोटे भाई अमर सिंह ने फांसी लगाकर जान दे दी थी, जिससे पूरा परिवार टूट गया था और अब उससे छोटे नीरज ने जान दे दी। जिस तरह एक साल में एक के बाद एक मौत हुई है, उससे पूरा परिवार सदमें में है। जिनकी मौत हुई है, उनकी पत्नी और बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है और बेटों की मौत से माता-पिता भी टूट गए हैं। इस मामले में पड़ाव थाना प्रभारी शैलेन्द्र भार्गव का कहना है कि एक युवक ने फांसी लगाकर जान दी है। इससे पहले उसके एक अन्य भाई ने भी फांसी लगाई थी। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन आज महापौर को ज्ञापन सौंपेगा

ग्वालियर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय महामंत्री मोहन सिंह कुशवाह की आवारा सांड की टक्कर से हुई असामयिक निधन से व्यथित पेंशनर एवं अन्य सहयोगी संगठन 15 अप्रैल बुधवार को फूलबाग पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर महापौर डा. शोभा सिकरवार को एक ज्ञापन सौंपेगा। आक्रोशित पेंशनर एसोसिएशन अन्य सहयोगी संगठन के साथ ज्ञापन के माध्यम से आवारा पशुओं से निजात दिलाने के लिए गुहार करेंगे। शहरभर में वार्डवार योजना बनाकर शहरवासियों को आवारा पशुओं कुत्तों से निजात दिलाई जाये। शोक व्यक्त करने वालों में अध्यक्ष प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन नंद किशोर गोस्वामी, भंवर सिंह जादौन, राजेंद्र सिंह भदौरिया, नंदकिशोर गोस्वामी, ओपी अजमेरिया, राजाराम सेंगर, योगेंद्र सिंह भदौरिया, सहयोगी संगठन बीएस तरेटिया, राज्य कर्मचारी संघ के बलवीर सिंह परमार आदि प्रमुख हैं।

घर से साढ़े 16 लाख का माल पार

ग्वालियर। एक किसान के सूने घर में छत के रास्ते घुसे चोरों ने पाटौर की पटिया निकाल कर आठ तोला सोना, दो किलो से ज्यादा चांदी व 22 हजार रुपए चोरी कर ले गए। घटना घाटीगांव थाना क्षेत्र के घेघोली गांव में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात की है। घटना का पता सुबह चला जब किसान की पत्नी जागी और दरवाजा खोलने का प्रयास किया, तो दरवाजा अंदर से बंद था। छत पर जाकर देखा तो पता चला कि छत की पटिया निकली हुई थी। मामले का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

घाटीगांव थाना क्षेत्र के घेघोली निवासी भीकम सिंह गुर्जर पुत्र जाहर सिंह गुर्जर किसान है। बीती रात भीकम व उसके परिजनों ने खाना खाया और अपने आंगन में सो गए। सुबह उनकी पत्नी की आंख खुली और उसने पाटौर का दरवाजा खोला तो दरवाजा नहीं खुला, क्योंकि अंदर से गेट की कुंदी लगी हुई थी। तुरंत ही उसने पति को इसके बारे में बताया तो उसने छत पर जाकर देखा तो पाटौर की एक पटिया निकली हुई थी और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। मामला समझ में आते ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की तो उनके घर से कुछ दूरी पर उनका सूटकेस पड़ा मिला है। पुलिस ने उसे निगरानी में लिया है। सूटकेस में दस्तावेज तथा अन्य सामान तो मिल गया है, लेकिन नकदी गायब थी। पीडित ने पुलिस को बताया कि चोर उनके घर से 22 हजार नकदी, आठ तोला वजनी सोने के जेवर, दो किलो चांदी के जेवर सहित अन्य कीमती माल साफकर ले गए। पुलिस ने जांच के बाद चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

अस्पताल संचालक के घर से सात तोला सोना चोरी

जनकगंज थाना क्षेत्र के नई सडक निवासी 54 वर्षीय गोपीचंद शिवहरे पुत्र रमेश चंद्र शिवहरे डॉक्टर है और नई सडक स्थित ममता अस्पताल का संचालन करते हैं। कुछ दिनों से उनके घर पर कलर का काम चल रहा है। कलर का काम नानू खान और रूस्तम खान कर रहे है। बीते रोज उन्होंने अलमारी में रखे सोने के डिब्बे चेक किए तो उनके पैरों तले जमीन निकल गई, क्योंकि अलमारी में रखे डिब्बों से सोने के पचास ग्राम के सिक्के और 18 ग्राम का सोने का ब्रेसलेट नहीं मिला। मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। चोरी की शंका पीडित ने कलर का काम करने वाले नानू खान व रूस्तम खान पर जताई है। पीडित का कहना है कि चोरी गया जेवर करीब दस लाख रुपए कीमत का है।

संपादकीय

ब्रिजिंग मेडिसिन डिवीड्स

डॉ विजय गर्ग

आधुनिक चिकित्सा एक असाधारण चौराहे पर खड़ी है। एक ओर, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सटीक देखभाल में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। दूसरी ओर, शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल, अमीर और गरीब मरीजों, पारंपरिक और आधुनिक प्रथाओं के बीच तथा यहां तक कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच भी गहरी विभाजन बनी हुई है। इन विभाजनों को पाटना हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है।

स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में एक बड़ा अंतर मौजूद है। जबकि महानगरीय शहरों में उन्नत अस्पताल और विशेषज्ञ होते हैं, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्र अक्सर बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं से जूझते रहते हैं। यह असंतुलन असमान स्वास्थ्य परिणामों को जन्म देता है, जहां भूगोल व्यक्ति द्वारा प्राप्त देखभाल की गुणवत्ता निर्धारित करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को मजबूत करना, टेलीमेडिसिन का विस्तार करना और बुनियादी ढांचे में सुधार करना यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि गुणवत्तापूर्ण देखभाल हर कोने तक पहुंच जाए।

एक अन्य अंतर किफायती और गुणवत्ता के बीच है। उच्च चिकित्सा लागत कई परिवारों को वित्तीय संकट में डाल देती है, विशेष रूप से उन देशों में जहां बीमा कवरेज सीमित है। इस अंतर को पाटने के लिए नीतिगत सुधार, व्यापक बीमा समावेशन और लागत प्रभावी उपचार मॉडलों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सार्वजनिक-निजी साझेदारियां मानकों से समझौता किए बिना स्वास्थ्य देखभाल को अधिक सुलभ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा को एकीकृत करने की भी बढ़ती आवश्यकता है। आयुर्वेद, योग और अन्य स्वदेशी प्रथाओं जैसी प्रणालियां लंबे समय से कई समाजों में स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा रही हैं। उन्हें अलग या प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण के रूप में देखने के बजाय, वैज्ञानिक सत्यापन द्वारा समर्थित एक संतुलित एकीकरण रोगियों को समग्र देखभाल प्रदान कर सकता है। प्रौद्योगिकी, यद्यपि परिवर्तनकारी है, लेकिन उसने अपना स्वयं का विभाजन पैदा कर दिया है। एआई डायग्नोस्टिक्स और रोबोटिक सर्जरी जैसे उन्नत उपकरण अक्सर अच्छी तरह से वित्तपोषित संस्थानों तक सीमित होते हैं। इस तकनीकी अंतर को पाटने का अर्थ है नवाचार को लोकतांत्रिक बनाना– औजारों को किफायती, मापनीय और सुलभ बनाना। प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और रोगियों दोनों में डिजिटल साक्षरता समान रूप से महत्वपूर्ण है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच का अंतर भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बहुत लम्बे समय से मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज किया जा रहा है या कलंकित किया जा रहा द्धड्डद्ब। प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणालियों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को एकीकृत करना, जागरूकता बढ़ाना, तथा प्रशिक्षित पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, कल्याण के लिए एक अधिक व्यापक दृष्टिकोण बनाने में मदद कर सकता है। अंततः, संचार एक ऐसा विभाजन है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। भाषा, संस्कृति और शिक्षा में अंतर प्रभावी डॉक्टर-रोगी संबंधों को बाधित कर सकता है। सहानुभूति, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और स्पष्ट संचार विश्वास निर्माण और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक हैं।चिकित्सा के विभाजन को पाटना कोई एकल समाधान नहीं बल्कि एक सामूहिक प्रयास है। इसके लिए सरकारों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, प्रौद्योगिकीविदों और समुदायों के बीच सहयोग की आवश्यकता है। समावेशिता, सामर्थ्य और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करके, हम एक ऐसी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की ओर बढ़ सकते हैं जो सभी को समान रूप से और प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करे।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

आर्थिक ताकत बनते खाद्यान्न भंडार, हथियार नहीं, 'अनाज' है भारत की असली शक्ति

हाल में विश्व खाद्य कार्यक्रम की ओर से जारी रपट के मुताबिक, इस समय दुनिया में 31.9 करोड़ लोग भूख से पीड़ित हैं। अब पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण यह आंकड़ा और बढ़ने के आसार हैं। इस वैश्विक चुनौती के बीच भारत खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में अनुकूल स्थिति में नजर आता है

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की विफलता से वैश्विक स्तर पर राहत मिलने की संभावनाएं भी क्षीण होती दिख रही हैं। अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से होर्मुज जलमार्ग को खोलने संबंधी एलान और इस पर ईरान के भारी विरोध से युद्ध की चुनौतियां बढ़ गई हैं। इससे दुनिया भर में खाद्य संकट बढ़ने की आशंका है। चूंकि इस युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को नुकसान पहुंचा है, जिससे तेल एवं गैस समेत उर्वरकों की भी भारी कमी हो गई है और उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं, इसलिए जरूरी वस्तुओं के दाम ऊंचे बने रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाल में विश्व खाद्य कार्यक्रम की ओर से जारी रपट के मुताबिक, इस समय दुनिया में 31.9 करोड़ लोग भूख से पीड़ित हैं। अब पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण यह आंकड़ा और बढ़ने के आसार हैं। इस वैश्विक चुनौती के बीच भारत खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में अनुकूल स्थिति में नजर आता है। भारत के पास 31 मार्च 2026 तक 6.02 करोड़ टन गेहूं और चावल का सुरक्षित भंडार (बफर स्टाक) मौजूद है, जो देश की आर्थिक ताकत बन गया है। इस खाद्यान्न भंडार से भारत एक साल तक की अपनी खाद्यान्न जरूरत को आसानी से पूरा कर सकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि देश के अस्सी करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है।

भारत का रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन जहां देश के आम आदमी के लिए भोजन की गारंटी है, वहीं दुनिया के कई जरूरतमंद देशों के करोड़ों लोगों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति का आधार भी है। भारत 'खाद्य सुरक्षा' के मामले में न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि मजबूत स्थिति में है। सरकार तकनीक और कृषि हितप्रद नीति के माध्यम से किसानों को केवल 'अन्नदाता' ही नहीं, बल्कि 'निर्यातक' बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन तथा प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन सहित सभी कृषि क्षेत्रों को मजबूत किया जा रहा है। देश का लक्ष्य गेहूं और चावल के अलावा दलहन एवं तिलहन में आत्मनिर्भर होना है।

वर्ष 2025-26 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, इस बार खाद्यान्न उत्पादन का परिदृश्य ऐतिहासिक स्तर पर है। खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 17.41 करोड़ टन और रबी खाद्यान्न उत्पादन 17.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष 2024-25 की तुलना में एक बड़ी छलांग है। पिछले वर्ष खरीफ उत्पादन 16.94 करोड़ टन था, जिसमें इस बार लगभग 2.8 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, रबी उत्पादन पिछले वर्ष 16.91 करोड़ टन था, जिसमें इस दफा 3.2 फीसद की शानदार वृद्धि देखी गई है। थाली के सबसे अहम हिस्से यानी चावल और गेहूं के मोर्चे पर भी भारत ने अपनी जोरदार बढ़त कायम रखी है। दालों के उत्पादन में भी पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ोतरी दिखाई दे रही है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के मध्य युद्धविराम के पहले खाद्यान्न की बढ़ती वैश्विक कीमतों के बीच भारत में अनाज का रिकार्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह रहा है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी में देश की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत की वजह से बहुत कम प्रभावित हुई थी। इतना ही नहीं, छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार एक तरह से हथियार बन गए थे। हाल ही में प्रख्यात कृषि विशेषज्ञ और ब्राजील पोटाश के सीईओ मेट सिंपसन ने कहा कि दुनिया में लगातार खाद्य संकट बढ़ता जा रहा है। उर्वरक की कमी के कारण यूरोप और उत्तरी अमेरिका में फसलों की बुआई पर गंभीर असर पड़ रहा है। ऐसे में कई देशों के लिए खाद्यान्न का बड़े पैमाने पर आयात जरूरी होता जा रहा है। कोरोनाकाल में भारत ने जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न का निर्यात किया था। अब एक बार फिर जब दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, तब भारत खाद्यान्न निर्यात के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है।

निस्संदेह कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ है। 'पीएम किसान सम्मान निधि' और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसे कई कार्यक्रमों से देश का कृषि क्षेत्र लगातार मजबूत हुआ है। अब तक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 22 किस्तों में चार लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपए के बीमा दावों का निपटारा किया गया है। देश के गांवों में अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में काम किया जा रहा है।वैश्विक खाद्य संकट के बीच खाद्यान्न की बढ़ती मांग के मद्देनजर भारत की ओर से चालू वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत कृषि को निर्यात उन्मुख बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में सात फीसद अधिक है। स्थानीय किसानों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के महत्त्व को रेखांकित किया जा रहा है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और वर्तमान में यहां लगभग 4.5 लाख टन मछली का उत्पादन हो रहा है, जबकि अतिरिक्त बीस लाख टन उत्पादन की अपार संभावना है। समुद्री अर्थव्यवस्था की क्षमता को बढ़ाने के लिए नए व्यावसायिक तरीके अपनाए जा रहे हैं। साथ ही कृषि में प्रौद्योगिकी संस्कृति को बढ़ावा देने और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास पर भी जोर दिया रहा है। व्यापक भंडारण अभियान और कृषि-वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।

इस बार के बजट के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को कृषि निर्यात उन्मुख बनने की कोशिश की गई है। इससे भारत के कृषि निर्यात और वैश्विक खाद्य आपूर्ति में और प्रभावी भूमिका निभाने की संभावनाओं को बल मिलता है। देश के पास खाद्यान्न की पैदावार और खाद्य प्रसंस्करण वस्तुओं का उत्पादन एवं निर्यात बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है। ऐसे में भारत को निर्यात आधारित खेती, फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा।

भारतीय कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, ब्रांडिंग और मानकों के सभी पहलुओं पर गंभीरता से काम करना होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगा। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उम्मीद है कि खाद्यान्न संकट की वैश्विक चिंताओं के बीच भारत रिकार्ड खाद्यान्न भंडार से देश के आम आदमी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्यान्न निर्यात में भी अहम भूमिका निभाएगा।

एक साथ मजबूत: मानवीय समर्थन का विज्ञान

डॉ विजय गर्ग

समर्थन को अक्सर दयालुता के एक साधारण कार्य, आश्वस्त करने वाला शब्द, मदद का हाथ या सुनने वाला कान माना जाता है। फिर भी इन रोजमर्रा के इशारों के पीछे एक शक्तिशाली वैज्ञानिक आधार छिपा है। मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में किए गए शोध से पता चलता है कि समर्थन केवल भावनात्मक रूप से आरामदायक नहीं है; यह जैविक रूप से आवश्यक है। यह हमारे सोचने के तरीके को आकार देता है, हम कैसे सामना करते हैं, और यहां तक कि हम कितना समय तक जीवित रहते हैं।

इसके मूल में, समर्थन मानव जीव विज्ञान से गहराई से जुड़ा हुआ है। जब व्यक्ति समर्थित महसूस करते हैं, तो उनका शरीर सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। कॉर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन कम हो जाते हैं, जबकि ऑक्सीटोसिन और डोपामाइन जैसे अच्छा महसूस करने वाले रसायन बढ़ जाते हैं। यह जैव रासायनिक परिवर्तन भावनाओं को नियंत्रित करने, रक्तचाप को कम करने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है। इसके विपरीत, सहायता की कमी से दीर्घकालिक तनाव उत्पन्न हो सकता है, जो चिंता, अवसाद और कई शारीरिक बीमारियों से जुड़ा हुआ है।

समर्थन का सबसे आकर्षक पहलू मस्तिष्क पर इसका प्रभाव है। तंत्रिका विज्ञान संबंधी अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक समर्थन सुरक्षा और पुरस्कार से जुड़े क्षेत्रों को सक्रिय करता है। केवल यह जानना कि कोई हमारे लिए मौजूद है, मस्तिष्क की खतरे के प्रति धारणा को कम कर सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जब लोग समर्थन महसूस करते हैं तो वे बेहतर प्रदर्शन क्यों करते हैं, अधिक स्पष्ट रूप से सोचते हैं और असफलताओं से तेजी से उबरते हैं। संक्षेप में, संबंध की उपस्थिति में मस्तिष्क अधिक लचीला हो जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य में भी सहायता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भावनात्मक समर्थन–सुना जाना, समझा जाना और मान्य किया जाना– व्यक्तियों को कठिन अनुभवों को संसाधित करने में मदद करता है। यह अलगाव की भावना को कम करता है और अपनेपन की भावना पैदा करता है। व्यावहारिक सहायता, जैसे कार्यों या जिम्मेदारियों में सहायता, दैनिक बोझ को कम करती है और व्यक्तियों को पुनर्प्राप्ति और विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देती है। साथ मिलकर, ये सहायता प्रकार मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए एक मजबूत आधार तैयार करते हैं।

शैक्षिक और व्यावसायिक सेटिंग्स में, समर्थन का विज्ञान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जो छात्र शिक्षकों और साथियों से प्रोत्साहन प्राप्त करते हैं, उनके प्रेरित रहने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावना अधिक होती है। इसी प्रकार, जो कर्मचारी सहकर्मियों और नेताओं द्वारा समर्थित महसूस करते हैं, वे अधिक उत्पादक, नवीन और अपने काम से संतुष्ट होते हैं। समर्थन आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है, और आत्मविश्वास प्रदर्शन को बढ़ावा देता हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम है (अनुभूत) समर्थन की अवधारणा दिलचस्प बात यह है कि महत्वपूर्ण न केवल वह समर्थन है जो हमें मिलता है, बल्कि वह समर्थन भी है जिसके बारे में हमारा मानना है कि वह उपलब्ध है। अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग महसूस करते हैं कि उनके पास एक विश्वसनीय सहायता प्रणाली है, चाहे वे सक्रिय रूप से इसका उपयोग करें या नहीं, उन्हें तनाव कम करने और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त होने का अनुभव होता है। इससे समय के साथ विश्वास और मजबूत संबंध बनाने का महत्व उजागर होता है।

प्रौद्योगिकी ने सहायता देने और प्राप्त करने के तरीके में एक नई परत जोड़ी है। ऑनलाइन समुदायों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वर्चुअल काउंसलिंग सेवाओं ने दूरी पार करके जुड़ना आसान बना दिया है। हालांकि डिजिटल सहायता आमने-सामने की बातचीत को पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकती, लेकिन यह विशेष रूप से अलगाव या संकट के समय में बहुमूल्य सहायता प्रदान कर सकती है। चुनौती यह सुनिश्चित करने में है कि ये संबंध सार्थक और प्रामाणिक बने रहें।

हालाँकि, समर्थन हमेशा सरल नहीं होता। सभी सहायताएं मददगार नहीं होतीं, और कभी-कभी अच्छी मंशा से किए गए कार्य भारी या दखल देने वाले लग सकते हैं। प्रभावी समर्थन के लिए सहानुभूति, सक्रिय श्रवण और व्यक्तिगत आवश्यकताओं की समझ आवश्यक है। जो चीज एक व्यक्ति की मदद करती है, वह दूसरे की मदद नहीं कर सकती। समर्थन का विज्ञान हमें याद दिलाता है कि मात्रा से अधिक गुणवत्ता मायने रखती है।

समर्थन की संस्कृति का निर्माण छोटे, सुसंगत कार्यों से शुरू होता है। बिना किसी निर्णय के सुनना, प्रोत्साहन देना और आवश्यकता के क्षणों में उपस्थित रहना, बहुत बड़ा अंतर ला सकता है। सामाजिक स्तर पर, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और सामुदायिक सेवाओं जैसी सहायता प्रणालियों में निवेश करने से ऐसे वातावरण का निर्माण होता है जहां व्यक्ति फल-फूल सकते हैं।

अंततः, समर्थन एक सामाजिक अनुग्रह से कहीं अधिक है; यह विज्ञान द्वारा समर्थित एक मौलिक मानवीय आवश्यकता है। यह हमारे मन को मजबूत करता है, हमारे शरीर की रक्षा करता है, और हमें एक दूसरे से जोड़ता है। ऐसी दुनिया में जो अक्सर स्वतंत्रता पर जोर देती है, समर्थन का विज्ञान एक शक्तिशाली अनुस्मारक प्रदान करता है: जब हम एक साथ खड़े होते हैं तो हम अधिक मजबूत, स्वस्थ और अधिक लचीले होते हैं। डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

श्रमिकों में असंतोष की आग!

अराजकता की राह निश्चित रूप से लोकतंत्र में बाधक है, लेकिन सवाल है कि यह स्थिति क्यों और कैसे उत्पन्न हुई तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है। सरकार और जिला प्रशासन की ओर से समय रहते श्रमिकों को भरोसे में लेकर समाधान खोजने के कारगर प्रयास क्यों नहीं किए गए?

देश में हर नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। यह अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के समक्ष रखने का एक तरीका हो सकता है। मगर उत्तर प्रदेश के नोएडा में सोमवार को अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे श्रमिकों का प्रदर्शन जिस तरह हिंसा और आगजनी में तब्दील हो गया, वह वास्तव में चिंताजनक है। कई इलाकों में यातायात ठप हो गया, वाहनों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया और कुछ जगह पुलिस से झड़प के दौरान पत्थरबाजी भी गई।

अराजकता की राह निश्चित रूप से लोकतंत्र में बाधक है, लेकिन सवाल है कि यह स्थिति क्यों और कैसे उत्पन्न हुई तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है। सरकार और जिला प्रशासन की ओर से समय रहते श्रमिकों को भरोसे में लेकर समाधान खोजने के कारगर प्रयास क्यों नहीं किए गए?

गौरतलब है कि गौतम बुद्ध नगर जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक बीते चार दिन से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन की गारंटी, समय पर पूरा वेतन, अतिरिक्त समय में काम करने पर दोगुना भुगतान तथा असंगठित एवं घरों पर सामान पहुंचाने वाले श्रमिकों को भी सामाजिक एवं रोजगार सुरक्षा के दायरे में लाना शामिल हैं।

खबरों के मुताबिक, प्रदेश सरकार की ओर से इनमें से कुछ मांगों को लेकर सहमति व्यक्त की गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी श्रमिक इससे संतुष्ट नहीं थे। इसमें दोराय नहीं है कि आए दिन महंगाई जिस तरह से बढ़ रही है, उससे श्रमिक वर्ग के लिए परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में कम वेतन और उसका भी समय पर भुगतान न होने से उनकी दिक्कतें और बढ़ जाती हैं।

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के भुगतान की व्यवस्था पूरी तरह लागू की जाए। साथ ही वक्त के साथ बढ़ती महंगाई के मद्देनजर कामगारों की बुनियादी जरूरतें और गरिमा के साथ जीने का अधिकार बाधित न हों। कारखानों के प्रबंधनों का भी यह दायित्व है कि वे श्रमिकों की वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों पर विचार करें और आपसी सहमति से समस्याओं को सुलझाने की दिशा में काम करे।

2 फरवरी को बिहार के औद्योगिक शहर बरौनी से विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत हुई और इसके बाद कम से कम कर्मचारियों द्वारा पांच जगहों पर विरोध प्रदर्शन किए गए।

होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी से नई जटिलता खड़ी होगी

अफसोस की बात यह है कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता के विफल होने के बाद बातचीत के जरिए शांति की संभावना तैयार करने के बजाय एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से टकराव की भाषा का सहारा लेना शुरू कर दिया है,

करीब डेढ़ महीने बाद बहुत मुश्किल से पहले युद्धविराम और फिर शांति की राह तैयार करने के मकसद से ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता की गुंजाइश बनी थी। अतीत से लेकर वर्तमान तक दोनों देशों के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसमें अचानक ही सब कुछ पटरी पर आ जाने की बहुत ज्यादा उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन कम से कम युद्ध रुकने और दीर्घकालिक हल निकालने के लिए संवाद कायम रखने की गुंजाइश जरूर बनी थी।

अफसोस की बात यह है कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता के विफल होने के बाद बातचीत के जरिए शांति की संभावना तैयार करने के बजाय एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से टकराव की भाषा का सहारा लेना शुरू कर दिया है, तो दूसरी ओर ईरान ने भी अपने ऊपर होने वाले हमलों का जवाब देने की बात कही है।

इस बीच युद्धविराम लागू होने के बावजूद इजरायल ने लेबनान पर अपने हमले जारी रखे। ऐसी स्थिति में यह समझना मुश्किल नहीं है कि शांति प्रयासों के लिए होने वाली कवायदों और स्थायी हल निकालने की कोशिशों के सामने कैसी चुनौती खड़ी हो सकती है।

गौरतलब है कि ईरान के साथ वार्ता के विफल होने के बाद ट्रंप ने बेहद तल्ख जुबान में कहा कि ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोल दे, नहीं तो अमेरिका समूचे इलाके की नाकेबंदी कर देगा। इसके जवाब में ईरान की ओर से कहा गया कि फारस की खाड़ी और ओमान सागर में सुरक्षा या तो सभी के लिए होगी या किसी के लिए भी नहीं।

ईरान का कहना है कि अगर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, तो इस क्षेत्र का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल है कि अगर दोनों ही अपनी धमकियों पर अड़े रहते हैं, तो इसका हासिल क्या होगा। युद्ध को खत्म करने के लिए जहां नए रास्तों की तलाश की जानी चाहिए थी, वहीं पहली बैठक में मिली नाकामी के बाद दोनों ओर से हमलावर रुख का प्रदर्शन किया जा रहा है।

एक आशंका यह भी पैदा हो रही है कि एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने को लेकर अगर दोनों पक्षों की भाषा में नरमी नहीं आई, तो इसका असर युद्धविराम पर भी पड़ सकता है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि अगर होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी को लेकर अमेरिका की धमकी वास्तव में अमल में आती है, तो आने वाले दिनों में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की वजह से हालात कैसे हो सकते हैं।

ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हुआ है, लेकिन उसने कुछ देशों को वहां से गुजरने की इजाजत दी हुई है। कुछ अन्य देशों को भी छूट देने की बात चल रही थी। अब जहां कोशिश इस बात की होनी चाहिए थी कि होर्मुज जलमार्ग को खोलने सहित अन्य मुद्दों पर टकराव को खत्म करके स्थायी शांति का रास्ता तैयार किया जाए, वहां नए सिरे से टकराव का रास्ता अख्तियार किया जा रहा है।

अमेरिका की ओर से युद्ध में अपना पलड़ा भारी करने की जिद की कीमत बहुत बड़ी हो सकती है, जिसका खमियाजा वैसे देश ज्यादा उठाएंगे, जो तेल और गैस के लिए फिलहाल काफी हद तक खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दुनिया भर के देशों में तेल और गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलमार्ग से होकर ही गुजरता है। इसके पूरी तरह बंद होने के बाद भारत सहित दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में संकट गहरा सकता है। इसके अलावा, अगर रूस और चीन भी इस संकट की जद में आते हैं, तो एक नई जटिलता खड़ी होगी।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप की प्राइजमनी 10 % बढ़ी आईसीसी ने टूर्नामेंट की कुल राशि 82 करोड़ तय की

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि बढ़ाकर 82 करोड़ रु. की गई है, जो 2024 के मुकाबले 10% ज्यादा है। पिछली बार इनामी राशि 7.95 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) थी। जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार ज्यादा टीमें और ज्यादा मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विजेता को मिलेंगे 21.8 करोड़ रुपए टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 21.8 करोड़, उपविजेता को 10 करोड़ और सेमीफाइनल हारने वाली टीम को 6.29 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं हर ग्रुप मैच जीतने पर टीम को 29 लाख मिलेंगे।12 टीमों के बीच होंगे कुल 46 मुकाबले इस बार टूर्नामेंट का दायरा बढ़ाया गया है। अब तक विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन इस बार 12 टीमें खेलेंगी। टीमों की संख्या बढ़ने से मैचों की संख्या में भी 50% का इजाफा हुआ है। ग्रुप स्टेज के मैच 20 से बढ़कर 30 हो गए हैं। पूरे टूर्नामेंट में नॉकआउट समेत कुल 46 मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की परिस्थितियों में होगा बड़ा चैलेंज अगला वर्ल्ड कप इंग्लैंड की मेजबानी में जून और जुलाई के बीच खेला जाना है। जून-जुलाई में इंग्लैंड का मौसम और पिचें तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स के लिए भी मददगार होती हैं।

भारतीय टीम के लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम होगा क्योंकि टीम इंडिया अब तक एक बार भी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत सकी है। 12 टीमें होने से मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है।ब्रॉडकास्टिंग और रेवेन्यू बढ़ने का फायदा महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आईसीसी के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी हुई है। विमेंस क्रिकेट के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की वैल्यू बढ़ी है और स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इसी को देखते हुए आईसीसी लगातार टूर्नामेंट्स को बड़ा बना रहा है। 12 टीमों के इस फॉर्मेट से छोटे देशों की महिला क्रिकेट टीमों को भी ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

प्रफुल्ल आईपीएल डेब्यू ओवर में 3 विकेट वाले पहले बॉलर

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए। वे ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हुए। ईशान किशन के कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकरा गए।

अभिषेक एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट

अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

साकिब का आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग फिगर

साकिब हुसैन आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में चयक्र के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने आज 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया।

आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह ढ्ढक्क में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

गांधी, लोहिया और अम्बेडकर के विचारों के मिलन से ही पूंजीवाद हारेगा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक व राजनेता रघु ठाकुर ने कहा है कि महात्मा गांधी और डॉ अम्बेडकर दोनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान रखकर ही हम एक समतावादी और न्यायपूर्ण समाज बना पायेंगे। आज गांधी-अम्बेडकर और लोहिया के विचारों के मिलन की जरूरत है।गांधी के प्रति कड़वाहट पैदा करना अम्बेडकरवाद नहीं है। जिन्होंने गांधी को शरीर से मारा आज वे ही गांधी के विचार को भी मिटाना चाहते हैं।

रघु ठाकुर आज जौरा के महात्मा गांधी सेवाश्रम में पहला सुब्बाराव स्मृति व्याख्यान देते हुए महात्मा गांधी और डॉ अम्बेडकर के वैचारिक संश्लेषण पर बोल रहे थे।

रघु ठाकुर ने महात्मा गांधी और डॉ अम्बेडकर के विचार और व्यक्तित्व का विश्लेषण करते हुए कहा कि डॉ अम्बेडकर यदि गांधीजी के साथ आजादी के आंदोलन में एक दिन के लिए भी जेल गए होते तो वे गांधी के स्वाभाविक उत्तराधिकारी होते। आज गांधी लोहिया और अम्बेडकर के विचारों के मिलन से ही पूंजीवाद को हराना सम्भव है।

दलितों के पृथक मताधिकार की मांग से डॉ आंबेडकर जितनी सीटों की उम्मीद कर रहे थे पूना पैक्ट में उससे दोगुनी मिलीं। पंडित नेहरू की अनिच्छा के बावजूद संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष महात्मा गांधी की पहल से ही बने। इसके लिए कांग्रेस के एक नेता से इस्तीफा भी दिलाया गया था।

जहां तक वर्ण-व्यवस्था, छुआछूत और जाति-व्यवस्था के विषय में गांधी और अम्बेडकर के विचारों में फर्क की बात है तो गांधी वर्ण-व्यवस्था को मानते हुए अस्पृश्यता समाप्त करने के प्रवल पक्षधर थे। गांधी तो यहां तक कहते थे अगर हिन्दू धर्म से छुआछूत दूर नहीं हो सकती तो अच्छा हो कि यह धर्म ही खतम हो जाए। अम्बेडकर के भाषण एनीहिलेशन आफ़ कास्ट को गांधी ने अपने अखबार में छापा। गांधी का लक्ष्य अश्पृश्यता समाप्त कराने के साथ देश आजाद कराना भी रहा। गांधी एक समय के बाद केवल अंतर्जातीय शादियों में ही जाकर आशीर्वाद देते थे।दूसरी ओर डॉ अम्बेडकर ने हमेशा स्वयं को भारतीय माना। उनके विचार की यह सीमा थी कि वे पाकिस्तान के बनने के पक्ष में थे। आदिवासियों को वोट का अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन अगर 1956 में लोहिया के साथ बनी योजना के तहत काम करने का उन्हें समय मिलता तो भारत की राजनीति में एक सार्थक दिशा में होती। बाबासाहब ने जब अनुलोम विलोम विवाह किया तब सरदार पटेल ने कहा था कि महात्मा गांधी होते तो उन्हें आशीर्वाद देने जाते।

व्याख्यान के समय एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी वी, एकता महिला मंच की प्रमुख जिल कार हैरिस, पूर्व पुलिस महानिदेशक अनुराधा शंकर, एकता परिषद के संयोजक रमेश शर्मा, अनीश कुमार, वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुरेश सम्राट, विधायक पंकज उपाध्याय, पूर्व विधायक महेशदत्त मिश्र, सर्वोदय प्रेस सर्विस के सम्पादक राकेश दीवान आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर पर हुआ अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत केंद्र मुरैना जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू के मार्गदर्शन द्वारा 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर शासकीय महाविद्यालय कन्या छात्रावास मुरैना में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिय डॉ. अशोक शर्मा पुरातत्व अधिकारी, ओमवीर प्रजापति शिक्षक एवं अधीक्षिका पुष्पा गोयल, रामविलास शर्मा, माय भारत कार्यालय से डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. भीमराव की प्रतिमा की धुलाई स्वच्छता कार्यक्रम पदयात्रा कार्यक्रम वृक्षारोपण एवं संविधान की उद्देश्य का वचन और छात्र-छात्राओं द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर पर चर्चा का आयोजन किया गया और कहा कि भारत रत्न संविधान शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन सभी को प्रेरणादायक रहे और उनके द्वारा लिखित संविधान पर ही देश का संचालन हो रहा है। बहुत ही महान व्यक्तित्व के धनी उच्च शिक्षा के धनी रहे। इस अवसर पर रंगोली मे प्रथम पूनम, द्वितीय अंकेश, तृतीय रंजना, चित्रकला प्रथम कोमल माहोर, द्वितीय उमंग मौर्या, तृतीय मुस्कान पठारिया, भाषण प्रथम सुधा सेमिल, द्वितीय रूबी मिशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और प्रथम, द्वितीय, तृतीय सभी प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक शर्मा छात्रावास अधीक्षिका एवं ओमवीर प्रजापति शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन माय भारत केंद्र के रामविलास शर्मा द्वारा किया गया और पूनम, जगन, वन्दना, सुमानी, प्रियंका, अंजली, दिव्या, आरती, सोनम, शिवानी आदि लोग उपस्थित हुए एवं गड़ोरा युवा मंडल द्वारा भी डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती का आयोजन किया गया। गजराज सिंह गुर्जर एडवोकेट, कुलदीप शर्मा आदि लोग उपस्थित हुए।

समाजसेवी संस्था दाना पानी ने मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर की दाने-पानी की व्यवस्था

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। समाजसेवी संस्था दाना पानी द्वारा मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर दाना एवं मिट्टी के सकोरे वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्था दाना पानी की टीम सहित एडिशनल एसपी अनु बेनीवाल विशेष रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि गर्मी का सीजन प्रारंभ हो चुका है, ऐसे में सबसे बड़ी समस्या पशु-पक्षियों के सामने आती है। उनके लिए दाना और पानी का प्रबंध करना बहुत श्रेष्ठ कार्य है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमारी संस्था ने पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही हम लोगों को भी जाग्रत करते हैं कि वे अपने-अपने घरों पर पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करें। यह एक मानवीय श्रेष्ठ कार्य है। उन्होंने बताया कि हमारी संस्था अभी तक अनेक स्थानों पर यह पुनीत कार्य कर चुकी है। आगे भी यह कार्य जारी रहेगा।

अम्बाह में हर्षोल्लास से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

कांग्रेस व भाजपा ने दी श्रद्धांजलि, कार्यक्रमों में उमड़ी भीड़

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। 14 अप्रैल को नगर में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती विभिन्न स्थानों पर श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। नगर कांग्रेस कमेटी अंबाह के तत्वावधान में जग्गा चौराहे स्थित अंबेडकर स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष महेश जैन विकल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश को केवल संविधान ही नहीं दिया, बल्कि समाज को समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल सिद्धांत प्रदान किए। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखाते हैं और सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

कार्यक्रम में पार्षद जय राजोरिया, सुनील सखवार, अतेंद्र सैनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं सदर बाजार गंज में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा भी जयंती का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान विधायक देवेन्द्र सखवार, सोनू संगीतकार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उधर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जयंती की पूर्व संध्या पर स्थानीय अंबेडकर पार्क में दीप प्रज्वलित कर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरे नगर में 'जय भीम' के नारों के साथ कार्यक्रमों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

अम्बाह में अंबेडकर जयंती पर निकला भव्य चल समारोह

हजारों लोगों की भागीदारी, झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंबेडकर जयंती के अवसर पर मंगलवार को अंबाह नगर में बहुजन समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक संगठनों के तत्वावधान में एक विशाल एवं भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। यह रैली दोपहर लगभग 1 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क से प्रारंभ हुई और नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः वहीं आकर संपन्न हुई। इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया।

चल समारोह में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आकर्षक और सजीव झांकियां विशेष रूप से सजाई गई थीं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। इन झांकियों के माध्यम से उनके जीवन, संघर्ष, शिक्षा और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को दर्शाया गया। मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने रैली का स्वागत किया और झांकियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े।

रैली के दौरान युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। डीजे की धुन पर युवा नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे और 'जय भीम' के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे आयोजन में सामाजिक एकता और समरसता का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

इस चल समारोह में भीम आर्मी सहित कई सामाजिक संगठनों, युवाओं के समूहों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने अनुशासन बनाए रखते हुए बाबा साहेब के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। आयोजन के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के भी विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सका। रैली का समापन अंबेडकर पार्क में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। यहां उपस्थित हजारों लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान नगर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। यह चल समारोह न केवल श्रद्धांजलि का माध्यम बना, बल्कि बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त प्रयास भी साबित हुआ।

संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उज्जैन रोड चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास। भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर उज्जैन रोड चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के जीवन एवं उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल सामाजिक समानता की मजबूत नींव रखी, बल्कि जनसशक्तिकरण और न्याय के ऐसे आदर्श स्थापित किए जो आज भी देश की प्रगति का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनके सिद्धांत हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हर नागरिक को समान अवसर, न्याय और गरिमा का अधिकार मिले।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने तथा

समाज में समावेशिता और समानता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रमोद डोंगलिया ने की। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव अपने में कहा कि बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय की मिसाल है। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जो कार्य किए, वे सदैव प्रेरणादायक रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं और सामाजिक समरसता को मजबूत करें।

देवास विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक आधार प्रदान किया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल, जिला महामंत्री राजेश यादव, मनीष सोलंकी, राजीव खंडेलवाल,रवि जैन जिला उपाध्यक्ष गौतम सिंह राजपूत, महेश चौहान, अजा मोर्चा प्रदेश मंत्री संजय दायमा, अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमोद डोंगलिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला भेरूलाल अटारिया, मनीष डांगी मंडल अध्यक्ष सुरेश सिलोदिया देवेंद्र नवगौत्री शुभम चौहान सचिन जोशी जुगनू गोस्वामी विजेंद्र सिंह राणा सोनू परमार बाबू यादव अजय चौहान गुणपाल सिंह पवार निरपेक्ष चौहान जीतू मालवीय ऋषि सोलंकी धर्मेंद्र चंदेल सोनू चितावले सहित भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

प्रजातंत्र बचाने के लिए संविधान को बचाना आवश्यक : परिहार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद जिला देवास द्वारा उज्जैन चौरहे पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष आत्माराम परिहार ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों ना हो उसे चलाने वाले के ऊपर निर्भर रहता है। इसलिए संविधान की रक्षा करना हमारे प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इस अवसर पर बाबा साहब के मिशन को शिक्षा के रूप में समर्पित करने वाले वरिष्ठ शिक्षक बाबूलाल मालविका परिषद द्वारा अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रदेश सचिव मदनलाल जेठवा, कोषाध्यक्ष हेमराज मोठिया, जिला प्रभारी डॉ. मुन्ना सरकार, कांतिलाल सोलंकी, सुभाष गौऋषि, सचिव राजेश गोंदिया, केशर सिंह चौहान, मुकेश बडोदकर, सत्यवान पाटिल, जितेन्द्र सिंह मालवीय, आदि कई गणमान्य नागरिक द्वारा भी बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। आज के ही दिन बाबा साहब का जन्म आज के ही दिन महू में रामजी राव अंबेडकर सूबेदार साहब के यहां हुआ था। उन्होंने अपने पुरा जीवन शोषित पीड़ितों के लिए सामाजिक परिवर्तन और छुआछूत मिटाने समानता लाने के लिए समर्पित कर दिया और उनकी भावना को संविधान में उन्होंने प्रकट कर सभी को समानता स्वतंत्रता का अधिकार और नारी शक्ति को विशेष अधिकार दिया। इस अवसर पर बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित कर लड्डु व नुक्ती वितरित की गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से हेमराज परमार, इन्दरसिंह राठोर,जी पी डोंगर, डॉ एस एस मालवीय आदि उपस्थित थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर विशेष:अमरकंटक में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया समारोह

अनूपपुर/अमरकंटक। भारत के महान समाज सुधारक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती हर वर्ष 14 अप्रैल को पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है। यह दिन न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके द्वारा दिए गए समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को स्मरण करने का भी महत्वपूर्ण अवसर होता है।

डॉ. अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों और सामाजिक भेदभाव का सामना करते हुए शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। वे समाज में व्याप्त छुआछूत और जातिगत भेदभाव के कट्टर विरोधी रहे तथा दलितों एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे। भारतीय संविधान के निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने एक ऐसे संविधान की रचना की, जो सभी

नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है और देश को एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है। उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है–

'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो 'इसी कड़ी में पवित्र नगरी अमरकंटक के नगर परिषद सभागृह में बाबा साहब की जयंती श्रद्धा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सायंकाल मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह द्वारा बाबा साहब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात जनप्रतिनिधियों, नगर परिषद कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों की उपस्थिति में केक काटकर हर्षोल्लास व्यक्त किया गया तथा सभी ने 'जय भीम' के उद्घोष के साथ वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह उईके, विधायक प्रतिनिधि हरि सिंह, श्यामलाल सेन, पार्षद विमला दुबे, सावित्री सिंह, उषा सिंह सहित नगर परिषद के कर्मचारी गणेश पाठक, शैलेंद्र तिवारी, उमाशंकर परमार, शारदा प्रसाद, भारतीय मजदूर संघ मंडल अध्यक्ष भूरी बाई, संभागीय उपाध्यक्ष राधाबाई, मंडल उपाध्यक्ष वंदना सोनखरे, राम मोगरे, अजय समुद्रे,तीरथ डोंगरे, संतोष कुंडे अजय सिंह उईके मानसिंह आनंद मार्को सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने एवं समाज में समानता, न्याय और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

बाबा साहब का सपना–समानता और न्याय से भरा भारत अपना'

'अंबेडकर जयंती पर यही संदेश– शिक्षा ही है सबसे बड़ा विशेष

सैकड़ों किसानों ने दिखाई सहकारी बैंक मुरैना की सहकारी समितियों में सदस्य बनने में रुचि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुरैना। संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सहकारिता विभाग, जिला सहकारी बैंक और जिला सहकारी संघ मुरैना द्वारा कृषि उपज मंडी प्रांगण में विशेष शिविर (पैक्स सदस्यता महाअभियान 2026) का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों किसानों और आम नागरिकों ने भाग लिया, जिसमें बड़ी संख्या में ऐसे कृषक भी शामिल रहे, जो अब तक सहकारी संस्थाओं के सदस्य नहीं बन पाए थे। शिविर का आयोजन सहकारिता योजनाओं के प्रचार-प्रसार और अधिक से अधिक किसानों को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में चंबल संभाग की संयुक्त आयुक्त अनीता उइके, मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमल मकाश्रे और जिला सहकारी संघ के प्रतिनिधि कमलेश पाठक सहित बैंक एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी और प्रबंधक उपस्थित रहे।

शिविर में उपस्थित किसानों को पैक्स सदस्यता के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि सदस्य बनने पर किसानों को बिना ब्याज का फसल ऋण, कृषि सीजन में गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक उचित मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से मिलता है। कार्यक्रम के दौरान गैर-सदस्य किसानों ने सदस्यता ग्रहण करने में विशेष रुचि दिखाई और उन्हें मौके पर ही सदस्यता फॉर्म वितरित किए गए। अधिकारियों ने शाखा और समिति कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान अवधि में ऐसे किसानों की पहचान कर उन्हें सदस्य बनाया जाए, जो अब तक सहकारी संस्थाओं से नहीं जुड़े हैं। साथ ही गांव-गांव जाकर इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए। सहकारिता विभाग के अनुसार, इच्छुक किसान अपनी समग्र आईडी, आधार कार्ड, पैन कार्ड और कृषि भूमि के खसरा की प्रति के साथ संबंधित सहकारी समिति, उपार्जन केंद्र, पीडीएस वितरण केंद्र या नजदीकी सहकारी बैंक शाखा में संपर्क कर सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन के माध्यम से सहकारिता विभाग ने किसानों को संस्थागत वित्तीय सहायता और संसाधनों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और आर्थिक सुदृढ़ता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

'शिक्षित बनो-संगठित रहो' के मंत्र से ही साकार होगा समतामूलक समाज का सपना: जिला पंचायत अध्यक्ष

-जिंदगी लंबी नहीं, महान होनी चाहिए: हीरा सिंह श्याम

-अम्बेडकर जयंती पर एकलव्य विद्यालय ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ आयोजित

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। भारतीय संविधान के जनक, महान समाज सुधारक और स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि मंत्री भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती आज जिले में गौरवपूर्ण ढंग से मनाई गई। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह ने बाबा साहेब के विराट व्यक्तित्व और उनके संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि जिस दौर में देश सामाजिक बुराई और असमानता की जंजीरों में जकड़ा था और महिलाओं के पास कोई सामाजिक अधिकार नहीं थे, उस समय बाबा साहेब एक 'रोशनी की किरण' बनकर अवतरित हुए। उन्होंने अपनी विद्वत्ता और दूरदर्शिता से एक ऐसे संविधान का निर्माण किया, जो आज हर भारतीय नागरिक को एक समान नजर से देखता है और सुरक्षा प्रदान करता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने उपस्थित अभिभावकों और विद्यार्थियों से मार्मिक अपील करते हुए कहा कि बाबा

साहेब द्वारा दिए गए 'शिक्षित बनो और संगठित रहो' के नारे को केवल दीवारों पर नहीं, बल्कि अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति न केवल उच्च पद हासिल कर सकता है, बल्कि अपने हक और सम्मान के लिए मजबूती से लड़ भी सकता है। श्रीमती सिंह ने नई पीढ़ी का आह्वान किया कि वे बाबा साहेब द्वारा लिखी गई किताबों और उनके साहित्य को गहराई से पढ़ें। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को आत्मसात करके और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के सपने को साकार कर सकते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। उन्होंने कहा आज हम जो स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों के साथ अपनी बात रख पा रहे हैं, यह बाबा साहेब की ही देन है। यदि हम उनके संघर्षों का थोड़ा हिस्सा भी अपने जीवन में उतार लें, तो हम आधुनिक समय की हर ऊँचाई को छू सकते हैं। बाबा साहेब का मानना था कि 'जिंदगी लंबी होने के बजाय महान होनी चाहिए', हमें इसी महानता की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करें, क्योंकि शिक्षित व्यक्ति ही समाज में अपनी बात को सरलता और प्रखरता से रख सकता है।

हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए मिली आर्थिक मजबूती

अम्बेडकर जयंती के पावन अवसर पर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्वरोजगार योजनाओं के तहत 54 लाख रुपये से अधिक के ऋण वितरण एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। जिसमें भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत निखिल नारायण सिंह को ट्रैक्टर ट्रॉली (12 लाख), राम सिंह को राइस मिल (3 लाख), रामकुमार सिंह को ऑटो रिपेयरिंग (3 लाख), राजू प्रसाद कोल को सेट रिंग (5 लाख) और ओमकार कोल को टेंट हाउस (9.35 लाख) हेतु आर्थिक सहायता ऋण दिया गया। साथ ही संत रविदास स्वरोजगार योजना अंतर्गत हरवेन्द्र प्रजापति को सेटरिंग कार्य (5 लाख), विकास कुमार दाहिया को पिकअप वाहन (10 लाख), आकाश जाटव को मसाला व्यापार (5 लाख) और नवीन प्रसाद कनौजिया को फुटवेयर शॉप (2 लाख) हेतु ऋण वितरित किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष पार्वती राठौर, पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ हीरा सिंह श्याम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी, सहायक आयुक्त जनजाति कर विभाग सरिता नायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी,स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमरकंटक में जंगल की आग बनी आफत,थाना परिसर में खड़े वाहनों को लिया अपने चपेट में

अनूपपुर/अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में जंगल में लगी आग ने बड़ा रूप ले लिया। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 2 स्थित जंगल में दोपहर करीब 2 बजे लगी आग धीरे-धीरे फैलते हुए पुलिस थाना अमरकंटक परिसर तक पहुंच गई, जिससे न्यायालय के आदेश पर सुरक्षा हेतु खड़े कई वाहन आग की चपेट में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हायर सेकेंडरी स्कूल और मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के वितरण केंद्र के पीछे आग भड़कनी शुरू हुई थी। इसकी सूचना समय रहते वन विभाग को दी गई, लेकिन त्वरित कार्रवाई नहीं होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते थाना परिसर में खड़े 709 और 407 ट्रक, चौपहिया वाहन, मोटरसाइकिल और ऑटो आग की चपेट में आ गए, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस कर्मियों ने

तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी। नगर परिषद अमरकंटक की ओर से अग्निशमन यंत्र बुलाया गया, परंतु वह भी आग पर काबू पाने में नाकाफी साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि परिषद का एक अन्य अग्निशमन वाहन पहले से ही ग्राम दोनिया में लगी आग बुझाने गया था, जो तकनीकी खराबी के कारण वापस नहीं आ सका। स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी, क्योंकि घटनास्थल से लगभग 50 मीटर की दूरी पर पेट्रोल पंप तथा समीप ही विद्युत ट्रांसफार्मर स्थित है। यदि आग वहां तक पहुंचती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। सहायक उपनिरीक्षक पी.एस. बघेल ने बताया कि सूचना समय पर वन परिक्षेत्र कार्यालय को दे दी गई थी, लेकिन उचित समय पर कार्यवाही नहीं होने के कारण यह नुकसान हुआ। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये की क्षति हुई है। आग बुझाने में पुलिस स्टाफ और नगर परिषद के कर्मचारियों–शैलेंद्र तिवारी एवं शाहरुख खान–ने सराहनीय प्रयास किए। पुलिस टीम के उपनिरीक्षक पी.एस. बघेल, सहायक उपनिरीक्षक ईश्वर यादव, भगवान सिंह पाटले, प्रधान आरक्षक तिलक सिंह, पूरन सिंह, प्रवीण कुजूर, आरक्षक छोटेलाल साहू, पवन तिवारी, कृष्ण राजावत और रवि सिंह ने अथक मेहनत कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया है ,घटना ने वन विभाग और अग्निशमन व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जल संरक्षण संवर्धन की संरचना के कार्यों को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पूर्ण करें: सीईओ जिला पंचायत

-ग्रामीण विकास कार्यों की जिला पंचायत सीईओ ने समीक्षा कर दिए निर्देश

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण व संवर्धन के लिए खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज के कार्य तथा जल स्रोतों के मरम्मती करण, तालाब, कुंआ, बावड़ी के नवीनीकरण व तालाब के डिसल्टिंग गाद निकालने के कार्य पर जोर दिया है उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण संवर्धन के अंतर्गत जल स्रोतों के साफ-सफाई का कार्य जन सहयोग/श्रमदान के माध्यम से किए जाने तथा ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यों की पूर्णता पर जोर दिया है। जिला पंचायत सीईओ जिला पंचायत सभागार में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रही थी। बैठक में जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी के के सोनी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री अमर साय राम, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी,

जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, सहायक यंत्री, उप यंत्री तथा आवास एवं एसबीएम के ब्लॉक समन्वयक उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं के निर्माण कार्य मे ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस का श्रम नियोजन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने श्रम नियोजित कार्यों में मजदूरों की अधिक से अधिक उपस्थिति के लिए ग्राम सभा करके लोगों को कार्य करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। बैठक में एक बगिया माँ के नाम कार्य का दस्तावेजीकरण करने तथा ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रोपित पौधों में हितग्राहियों द्वारा नियमित पानी देने तथा पौधों की सुरक्षा के लिए उन्हे मोटिवेट करने के निर्देश दिए जिससे पौधों को नुकसान ना हो। बैठक में निर्माण कार्यों तथा प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास तथा जनमन आवास की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने आगामी पखवाड़े में आवासों की पूर्णता में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निर्मित किए गए शौचालयों की स्वच्छता के निर्देश देते हुए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता में सुनिश्चित करने के निर्देश विकासखंड समन्वयकों को दिए उन्होंने कहा कि स्वच्छता मित्र जो कार्य नहीं कर रहे हैं उनका अनुबंध समाप्त कर प्रदान की गई सामग्री को जमा कराए तथा दूसरे स्वच्छता मित्र के चयन की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के विकासखंड समन्वयक को शौचालय की साफ सफाई कार्य की सघन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बैठक में गोवर्धन योजना तथा वृंदावन ग्राम योजना के संबंध में चर्चा कर प्रस्तावित कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में पांचवा एवं पन्द्रहवे वित्त तथा आंगनबाड़ी के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में प्रगति लाने तथा पूर्णता के संबंध में तकनीकी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में वाटर शेड योजना के अंतर्गत टमाटर की खेती तथा जल संरक्षण के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित शिकायत प्रकरणो का संतुष्टि पूर्वक निराकरण पर बल दिया।

अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं, गाड़ी का बोर्ड लगाने के लिए पद नहीं: संजय साहू

-सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ सक्रिय भूमिका निभाएं: हीरा सिंह श्याम

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में 13 अप्रैल 2026 को भाजपा की जिला संगठन बैठक संपन्न हुई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि बैठक में जिला प्रभारी संजय साहू एवं जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने संगठन के चल रहे कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनुशासन में रहें कार्यकर्ता, वरना सख्त कार्रवाई

जिला प्रभारी संजय साहू ने कहा कि हर कार्यकर्ता अनुशासन में रहे। सोशल मीडिया पर संगठन के प्रति

अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने जिला अध्यक्ष को निर्देश दिए कि ऐसे कार्यकर्ताओं को चिह्नित कर पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाए, ताकि संगठन की छवि प्रभावित न हो। साहू ने प्रत्येक मंडल के कार्यों की समीक्षा कर कहा, पद काम करने के लिए दिया जाता है, गाड़ी में बोर्ड लगाने के लिए नहीं। संगठन का कार्य न करने पर बोर्ड हटाने में देर नहीं लगेगी।' उन्होंने गांव चलो अभियान, आजीवन सदस्यता, निधि प्रशिक्षण एवं अंबेडकर जयंती पर मंडल अध्यक्षों-महामंत्रियों से वन-टू-वन चर्चा की।

मोर्चा-प्रकोष्ठ सक्रिय हों, बूथ स्तर पर अच्छा संदेश दें

जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ से सक्रिय भूमिका निभाने को कहा, ताकि संगठन के कार्य सहजता से पूरे हों। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर समाज को सकारात्मक संदेश देने वाले कार्य करने और संगठन के हर कार्य को गंभीरता से पूरा करने की अपील की।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

बैठक में नव नियुक्त मंडल प्रभारियों एवं मोर्चा-प्रकोष्ठ पदाधिकारियों का संजय साहू एवं हीरा सिंह श्याम ने स्वागत किया तथा संगठन हित में उत्कृष्ट कार्य करने की अपेक्षा जताई।

चंबल नदी के राजघाट क्षेत्र को बनाया गया सुरक्षा छावनी

सीसीटीवी एवं ड्रोन के माध्यम से होगी सतत निगरानी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। चंबल नदी के राजघाट क्षेत्र को अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सुरक्षा छावनी में तब्दील कर दिया गया है। क्षेत्र में टेंट लगाकर विशेष सशस्त्र बल (एस.ए.एफ.) को चंबल नदी पुल के दोनों ओर 24×7 निगरानी हेतु तैनात किया गया है। साथ ही नहर तिराहे पर भी निरंतर निगरानी के लिए बल तैनात किया गया है। अम्बाह एवं सबलगढ़ रेंज में भी पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। यह बल मंगलवार दोपहर 3 बजे से सक्रिय होकर कार्यरत है तथा उनके रहने, भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं कैम्प क्षेत्र में ही सुनिश्चित की गई हैं।

पुलिस मुख्यालय, भोपाल से प्राप्त एस.ए.एफ. की एक कंपनी को चंबल नदी के राजघाट, अल्लाबेली, देवरी, अम्बाह एवं सबलगढ़ क्षेत्रों में तैनात किया गया है। यह बल पूर्ण रूप से सुसज्जित होकर रेंज अधिकारियों, वनमंडलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संयुक्त कार्रवाई करेगा।

गत दिवस जिला टास्क फोर्स समिति के सदस्यों वनमंडलाधिकारी हरीशचंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह डावर, जिला खनिज अधिकारी सुखदेव कुमार निर्मल, अधीक्षक राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य देवरी श्याम सिंह चौहान, रक्षित निरीक्षक रविकांत शुक्ला, एस.ए.एफ. कमांडेंट सहित वन एवं पुलिस अमले द्वारा राजघाट स्थित उस पुल का निरीक्षण किया गया, जो मध्यप्रदेश के मुरैना एवं राजस्थान के धौलपुर को जोड़ता है। निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की अवैध गतिविधि नहीं पाई गई।

यह सुरक्षा बल आगामी वर्षा ऋतु तक तैनात रहेगा तथा वन विभाग एवं पुलिस बल के साथ मिलकर समय-समय पर संयुक्त छापामार कार्रवाई करेगा, जिससे चंबल नदी में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। ये निर्देश जिला टास्क फोर्स समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा दिए गए।

बैठक में प्रभारी जिला परिवहन अधिकारी सुश्री स्वाती पाठक को निर्देशित किया गया कि वे पुलिस के सहयोग से चंबल नदी से लगे सभी प्रमुख ग्रामों का सर्वेक्षण करें तथा रेत परिवहन एवं उत्खनन में संलिप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी, लोडर एवं अन्य वाहनों की पहचान कर उनमें जीपीएस सिस्टम एवं नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से स्थापित कराएं। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि अवैध खनिज गतिविधियों में संलिप्त वाहन मालिकों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड ने बैठक में सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए कि जिले के सभी घाटों पर अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध समन्वय स्थापित कर संयुक्त एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उल्लेखनीय है कि जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक 13 अप्रैल को कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, वनमंडलाधिकारी हरीशचंद्र बघेल, जिला खनिज अधिकारी सुखदेव कुमार निर्मल, प्रभारी जिला परिवहन अधिकारी सुश्री स्वाती पाठक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता के लिए एकजुट होकर करेंगे कार्य : महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में महापौर ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन्

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी ने मंगलवार को टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती सोलंकी ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय एवं अतुलनीय है। उन्होंने समतामूलक समाज की स्थापना हेतु भारतीय संविधान का निर्माण किया, जिसमें प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब जीवनभर वंचितों, पीड़ितों, शोषितों एवं उपेक्षित वर्गों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए संघर्षरत रहे।

उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहेब ने हमें समानता का अधिकार प्रदान किया और आज हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक समरसता के लिए मिलकर, संगठित प्रयास कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुरैना कमलेश कुमार भार्गव, समाजसेवी कमलेश कुशवाह, जनपद अध्यक्ष मुरैना मोहर सिंह कंषाना, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत, एसडीएम मुरैना बी.एस. कुशवाह, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग सौरभ राठौर, डीपीसी हरीश तिवारी, बी.आर. धनवाल, जितेन्द्र बौद्ध सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुरैना कमलेश कुमार भार्गव ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब ने स्त्री शिक्षा, उनके नैसर्गिक अधिकारों के संरक्षण तथा सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलाते हुए कहा कि हमें महापुरुषों के विचारों को आत्मसात कर उन्हें अपने जीवन में उतारना चाहिए।

कार्यक्रम में समाजसेवी कमलेश कुशवाह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में आभार प्रदर्शन डीपीसी हरीश तिवारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री संबल योजना के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। ग्राम देवी सिंह का पुरा निवासी श्रीमती सोनम पत्नी अंकुर प्रजापति को 4 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार श्रीमती भूरी पत्नी रामगोविंद, करूआ निवासी रजनी पत्नी सतीश, मनीषा पत्नी रामजीवन, ग्राम केंथरी निवासी सुनीता पत्नी भूरेलाल तथा ग्राम केंथोदा निवासी श्रीमती राजकुमारी पत्नी नरेश को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि वितरित की गई। साथ ही हरिप्यारी एवं खिलोनी यादव को पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए।

हत्या के प्रयास के आरोपी को 72 घंटे में किया गिरफ्तार, लाइसेंसी 315 बोर बंदूक जप्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। पुलिस अधीक्षक मुरैना समीर सौरभ के निर्देशन में जिले में गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डाबर एवं एसडीओपी अम्बाह रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना अम्बाह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

09 अप्रैल को फरियादी ओमवीर गुर्जर निवासी दलजीत का पुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी शैलू उर्फ शैलेन्द्र गुर्जर एवं उसके दो साथियों ने पुरानी रंजिश के चलते उसके भाई पवन गुर्जर पर जान से मारने की नीयत से 315 बोर की लाइसेंसी बंदूक से गोली चलाई, जिससे गोली पवन गुर्जर के दाहिने हाथ की कोहनी के पास लगी। प्रकरण में थाना अम्बाह में मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना के बाद से फरार चल रहे मुख्य आरोपी शैलेन्द्र उर्फ शैलू गुर्जर को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बीच का पुरा से गिरफ्तार किया। आरोपी की निशादेही पर उसके घर से घटना में प्रयुक्त 315 बोर की लाइसेंसी रायफल भी जप्त की गई है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

आरोपी शैलू उर्फ शैलेन्द्र गुर्जर के खिलाफ पहले भी थाना अम्बाह में मामले दर्ज हैं। वर्ष 2020 में उसके विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज और धमकी जैसे आरोपों में एक प्रकरण दर्ज हुआ था। इसके अलावा वर्ष 2026 में भी उसके खिलाफ जानलेवा हमले से संबंधित एक मामला दर्ज किया गया है, जिसकी विवेचना जारी थी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेश सिंह कुशवाह, एसआई प्रज्ञाशील, सउनि यशवंत सिंह, प्र.आर. सियाराम, प्र.आर. सत्यवीर सिंह, प्र.आर. रविन्द्र शर्मा, आरक्षक लखन, आरक्षक दिनेश, आरक्षक नरेश जाट एवं चालक आरक्षक राकेश जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय में हुआ "मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता" कार्यशाला का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गत दिवस शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय क्रमांक 01 मुरैना सेवा विभाग मुरैना कार्यशाला "मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता" पर आयोजित की गई, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अमृत राजे एमबीबीएस एमडी (न्यूरो साइकेट्री) मनोरोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय मुरैना उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में राजीव स्वामी (नगर सेवा प्रमुख) ने अतिथियों का परिचय कराया। जिनेन्द्र डण्डोतिया (जिला सेवा प्रमुख) ने सेवा एकल गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ओ.डी. शर्मा (विभाग सेवा स्वास्थ्य आयाम प्रमुख) ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य मुकेश शांडिल्य मंचासीन थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमृत राजे ने मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता पर प्रकाश डाला एवं बताया कि भारत में लगभग 14 करोड़ लोग मानसिक समस्याओं को झेल रहे हैं, जिसमें गंभीर मानसिक बीमारी का सामना लगभग एक करोड़ लोग कर रहे हैं। जागरुकता के अभाव में लोग सही उपचार नहीं करवा पाते हैं। डॉ. राजे द्वारा विभिन्न मानसिक बीमारियों जैसे- डिप्रेशन, बाईपोलर डिसऑर्डर (बीपीएडी), साइकोसिस, नशीले पदार्थों के उपयोग व होने वाले नुकसान के बारे में बताया। विभिन्न मानसिक बीमारियों के लक्षणों एवं उपचार से संबंधित चर्चा की।

मरीजों को काउंसलिंग के बारे में बताया। टोल फ्री नं. 14416 पर 24 घण्टे की काउंसलिंग की जानकारी एवं मनहित एप की जानकारी दी। आत्महत्या रोककथाम कैसे की जाए बताया कि अगर मरीज समय पर इलाज करवा लेता है तो पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जाता है। परन्तु मरीज जागरुकता की कमी के कारण सर्वप्रथम झाड़फूंक, अंधविश्वास में भरोसा करता है एवं उपचार नहीं लेता है, जिससे उसकी बीमारी और अधिक बढ़ जाती है। अतः समय से उपचार करवाने की सलाह दी।

कार्यक्रम का आभार कमलेश राठौर (विभाग सह सेवा प्रमुख) ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में 267 की संख्या में विद्यार्थी, शिक्षकगण एवं आमजन उपस्थित थे। मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर नीतू चौहान एवं उमंग काउंसलर अमन भदौरिया उपस्थित रहे।

उज्जवल दुबे इनकम टैक्स सुपरिटेंडेंट बने

मुरैना। मुरैना के महाबीरपुरा निवासी उज्जवल दुबे ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ी सफलता हासिल करते हुए इनकम टैक्स विभाग में ऑफिस सुपरिटेंडेंट पद पर चयन प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उज्जवल का कहना है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और पूरी मेहनत के साथ तैयारी की जाए, तो सफलता जरूर मिलती है। उनके पिता विनोद दुबे ने बताया कि उज्जवल शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहा है और उसने दिन-रात मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है।

कुएं में गिरे 2 गौवंश, सुदामा कुशवाह कुएं में उतरे और गौवंश को निकाला, एक की मौत, एक घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दिमनी थाना क्षेत्र के गढ़ी गांव में दो गौवंश कुएं में गिर गए। सूचना मिलते ही गौपुत्र रुद्रदेव बजरंगी रेस्क्यू का सामान लेकर मौके पर पहुंचे, जहां अंबाह व दिमनी की गौसेवकों की टीम भी मौके पर पहुंच गई। गौपुत्र रुद्रदेव बजरंगी को स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों गौवंश लड़ते हुए कुएं में जा गिरे। सुबह गौवंश की सूचना मिली थी। गांव के लोगों ने गौवंश को निकालने का प्रयास किया, लेकिन निकाल नहीं पाए, फिर गौसेवक रुद्रदेव बजरंगी, सुदामा कुशवाह, ऋतिक तोमर, मयंक उपाध्याय, उमाशंकर उपाध्याय, हेमंत तोमर मिड़ेला ने मोर्चा संभाला और गौसेवक सुदामा कुशवाह (सचिव) कुएं में घुसे और देखा कि एक गौवंश मृत पड़ा हुआ है और एक उसके नीचे दबा हुआ है। बारी-बारी से गौवंश को बांधा और क्रेन की मदद से ऊपर खींचा। कुआं सकरा था जिसके कारण एक गौवंश की उल्टे गिरने से मृत्यु हो गई। एक गौवंश का जबड़ा और कमर की हड्डी टूट गई, जिसे गांव के गौभक्त ट्रेक्टर-ट्रॉली से मुरैना गौशाला लेकर आए। गांव के लोगों ने गौसेवकों के सराहनीय कार्य की सराहना की और उज्जवल भविष्य की कामना की।

"एक बगिया माँ के नाम" योजना पर प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक सम्पन्न

मुरैना। गत दिवस जनपद पंचायत जौरा के सभाकक्ष में "एक बगिया माँ के नाम" योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जनपद पंचायत जौरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुलदीप श्रीवास्तव, परियोजना अधिकारी (मनरेगा) तिलक सिंह कुशवाह, आजीविका मिशन से वीरेश सिंह भदौरिया, जिला प्रबंधक (कृषि) सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान ग्राम पंचायतों में "एक बगिया माँ के नाम" योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

गेहूं की फसल में अचानक आग लगी, फसल खाक

मुरैना। पोरसा की रूआर पंचायत में गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही समय में खेत में कटी रखी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। रास्ता न होने के चलते दमकल मौके पर नहीं पहुंच सकी, तो ग्रामीणों ने पास के दो ट्यूबवेल का सहारा लेकर आग बुझाई। इस हादसे में एक कुत्ता और उसके चार बच्चों की जलने से मौत हो गई।

पोरसा की ग्राम पंचायत रूआर के चतुर सिंह की हवेली पुरा में किशन सिंह तोमर के 5 बीघा खेत में रखी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। आग लगने से पूरी फसल जलकर खाक हो गई। आग लगने के बाद दमकल को सूचना दी गई, लेकिन रास्ता न होने के कारण वहां तक दमकल नहीं पहुंच सकी, तो ग्रामीणों ने मिलकर पास में लगे दो ट्यूबवेल से पानी की सप्लाई कर आग पर बमुश्किल काबू पाया।चतुर सिंह की हवेली के निवासी धर्मेंद्र तोमर के अनुसार गांव तक पहुंचने का मार्ग नहीं है। ऐसे में आग लगने से लेकर बीमारी होने तक न तो दमकल पहुंचती है, न एंबुलेंस, ऐसे में इस तरह के संकटों से कैसे निपटा जा सकता है। कई बार ग्रामीणों ने जनपद स्तर से लेकर कलेक्टर तक आवेदन दिया कि रास्ता नहीं है। खेतों की मेड़ों से होकर निकलना पड़ता है।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

धार्मिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाएं भड़काने वाले पोस्ट प्रतिबंधित

आदेश 12 अप्रैल से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रभावशील

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले में यह संज्ञान में आया है कि जिलेवासी विभिन्न धार्मिक त्यौहारों को बड़ी संख्या में एकत्रित होकर उत्साहपूर्वक मनाते हैं, किन्तु विगत वर्षों में छोटे-छोटे विवादों के कारण सांप्रदायिक एवं जातिगत तनाव की स्थितियां भी निर्मित हुई हैं। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालकर कानून व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास किया जा सकता है, जिससे वर्ग विशेष की भावनाएं आहत होकर प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। जनहित में इस प्रकार की गतिविधियों की रोकथाम आवश्यक है।

इस संबंध में जिला दण्डाधिकारी लोकेश कुमार जांगिड़ ने मुरैना जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्वीटर, एसएमएस, इंस्टाग्राम आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक या जातिगत भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री प्रसारित नहीं करेगा। किसी भी प्रकार के पोस्ट, संदेश, चित्र, ऑडियो या वीडियो, जिनसे साम्प्रदायिक विद्वेष या तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, का प्रसारण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त आपत्तिजनक नारेबाजी, उन्माद फैलाने वाले भाषण, भड़काऊ पर्चे छपवाना या वितरित करना तथा विद्वेष फैलाने वाले पोस्टर-बैनर लगाना, हटाना या इसके लिए प्रेरित करना भी प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी महिला, अल्पसंख्यक वर्ग या जाति विशेष के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी करना तथा अफवाह फैलाना भी वर्जित रहेगा।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी व्यक्ति ऐसे भड़काऊ पोस्ट को सोशल मीडिया पर लाइक या फॉरवर्ड नहीं करेगा। संबंधित ग्रुप के एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह इस प्रकार की सामग्री को रोकें। मुरैना जिले की राजस्व सीमा में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक भाषा या भड़काऊ नारों के लिए प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी रैली या संगठन द्वारा शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाना वर्जित होगा तथा शस्त्र लेकर चलना भी प्रतिबंधित रहेगा। सार्वजनिक शांति, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से सूचित करना संभव नहीं है। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तेजनारायण शर्मा को मिलेगा 'निराला श्री' सम्मान

मुरैना/जौरा। चंबलांचल के विश्वविख्यात व्यंग्यकार तेजनारायण शर्मा 'बेचैन' को आगामी 19 अप्रैल को राजधानी दिल्ली की लगभग 40 साल पुरानी साहित्यक संस्था साहित्य प्रेमी मंडल की ओर से वर्ष 2026 का निराला श्री सम्मान दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदी भवन में एक अत्यंत गरिमामयी समारोह में प्रदान किया जावेगा। इस सम्मान के अन्तर्गत श्री बेचैन को 51,000/- रुपए सम्मान निधि, अंगवस्त्र, सम्मान पट्टिका ,और स्मृति चिंह प्रदान किए जावेंगे, देश दुनियां के तमाम पुरुस्कारों से अब तक सम्मानित हो चुके श्री तेजनारायण शर्मा की इस उपलब्धि पर नगर की बौद्धिक चेतना,सामाजिक , राजनैतिक हस्तियों सहित ईष्ट मित्रों ने उन्हें बधाई दी है।

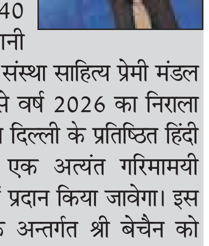

नाम सुधार सूचना

मैं RAY SINGH MAWAI पुत्र श्री RANVIR SINGH MAVAI आयु 48 YEAR जाति GURJAR निवासी- VILLAGE-LITIYAPURA, POST CHHICHHAWALI, MORENA तह. AMBAH जिला MORENA राज्य MADHYA PRADESH आधार नं. 9206 5027 1820 मैं शपथपूर्वक सत्य करता हूँ कि :- मेरे पुत्र के आधार कार्ड नं. 4009 3279 7992 है, जिसमें मेरे पुत्र का नाम ABHISHEK GURJAR लिखा हुआ है, जिसमें मेरे पुत्र का फोटो छायांकित है। मेरी नौकरी असम रायफल्स में है, जिसकी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम ABHISHEK SINGH GURJAR अंकित है। दोनों नाम ABHISHEK GURJAR व ABHISHEK SINGH GURJAR मेरे पुत्र के ही नाम हैं, जिन्हें मान्य किया जावे। समस्त जवाबदारी मेरी रहेगी। मेरी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम ABHISHEK GURJAR मेरे पुत्र के आधार कार्ड के अनुसार संशोधन कर दिया जावे। इसकी समस्त जवाबदारी मेरी होगी।

सूचनाकर्ता

राय सिंह मावई पुत्र रनवीर सिंह मावई निवासी- ग्राम लिटियापुरा पोस्ट छिछावली तहसील अम्बाह जिला मुरैना (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (भू–अर्जन) जिला मुरैना म.प्र.

प्र.क्र./21/अ–82/2025–26/भू–अर्जन/सेमई–विजयपुर सड़क/ग्राम गढपेरा /3981 मुरैना, दिनांक 07-04-26

प्रारूप–क

सामाजिक समाघात निर्धारण के लिये अधिसूचना

(भू–अर्जन अधिनियम 2013 एवं म.प्र. भू–अर्जन अधिनियम 2015 की धारा 03 एवं 04 के अंतर्गत)

राज्य सरकार/समुचित सरकार प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर यथा स्थित संबंधित **ग्राम गढपेढा तहसील सबलगढ़** के परामर्श से निम्न भूमि का सेमई–विजयपुर मार्ग हेतु निज स्वामित्व की भूमि हेतु स्थायी अर्जन करना चाहती हैं और लोक प्रयोजन के लिए सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करना चाहती हैं। अध्ययन के कार्य भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 एवं म.प्र. पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2015 की धारा 04 के प्रावधानों के अनुसार किया जावेगा। जिसका विवरण इस प्रकार हैः–

1.	परियोजना विकासक का नाम	कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. मुरैना
2.	भूमि के प्रस्तावित अर्जन के प्रयोजन	ई.पी.सी. मोड में सी.आर.आई.एफ. स्कीम के अंतर्गत निर्माण कार्य सेमई–विजयपुर मार्ग लं. 25.55 किमी का चौड़ीकरण
3.	अध्ययन कार्य हाथ में लेने वाले सामाजिक समाघात निर्धारण दल का विवरण	01. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सबलगढ़ एवं भू–अर्जन अधिकारी सबलगढ़ 02. अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग सबलगढ़ 03. तहसीलदार तहसील सबलगढ़ 04. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सबलगढ़ 05. राजस्व निरीक्षक सम्बंधित ग्राम वृत्त 06. मौजा पटवारी ग्राम गढपेरा 07. सचिव ग्राम पंचायत 08. सरपंच ग्राम पंचायत
4.	भूमि का विवरण	66, 68, 69, 70, 71, 94, 95, 170, 171, 172/222, 181, 182, 183, 184, 189, 96/1, 99, 153, 154, 155, 156, 158, 159, 166, 190, 191, 200, 201
5.	जिला	मुरैना
6.	तहसील	सबलगढ़
7.	ग्राम	गढपेरा
8.	कुल प्रभावित क्षेत्र	0.33706 हेक्टेयर
9.	अर्जित होने वाले क्षेत्र	66, 68, 69, 70, 71, 94, 95, 170, 171, 172/222, 181, 182, 183, 184, 189, 96/1, 99, 153, 154, 155, 156, 158, 159, 166, 190, 191, 200, 201
10.	प्रस्तावित परियोजना का संक्षिप्त विवरण	ई.पी.सी. मोड में सी.आर.आई.एफ. स्कीम के अंतर्गत निर्माण कार्य सेमई–विजयपुर मार्ग लं. 25.55 किमी का चौड़ीकरण
11.	परियोजना क्षेत्र और प्रस्तावित क्षेत्र	66, 68, 69, 70, 71, 94, 95, 170, 171, 172/222, 181, 182, 183, 184, 189, 96/1, 99, 153, 154, 155, 156, 158, 159, 166, 190, 191, 200, 201
12	क्या ग्राम सभाओं या भूमि धारकों की सहमति अपेक्षित हैं?	हाँ
13	समाजिक समाघात निर्धारण पूर्ण किए जाने की तारीख	अधिसूचना जारी होने से 30 दिवस

G11513/26

(लोकेश कुमार जांगिड़)
कलेक्टर
जिला मुरैना (म.प्र.)

नारी शक्ति नेतृत्व का नवयुग

'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन

15 अप्रैल, 2026 | रवीन्द्र भवन, भोपाल

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाला **'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'** नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य का ऐतिहासिक संकल्प है। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से **अभिनंदन एवं आभार**"

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D11006/26

सशक्त नारी, सशक्त देश

राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा
(10 -25 अप्रैल 2026)

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @JansamparkMP
JansamparkMP

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।